RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 22 ■ अंक - 5 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 27-07-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 देश के अनसुने नायकों को मिल रही राष्ट्रीय पहचान : शर्मा

6 किताबों के पन्नों पर विचारधारा की स्याही

7 पंजाब के शिक्षा मंत्री कब देंगे इस्तीफा श्वेता तिवारी ने पूछे सवाल

फर्स्ट टेक

अमरनाथ यात्रा के लिए 4,474 तीर्थयात्रियों का नया जत्था रवाना

जम्मू/भाषा। जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन का मलबा हटाए जाने के बाद वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए शनिवार देर रात जम्मू आधार शिविर से 4,474 तीर्थयात्रियों का नया जत्था कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, यह अमरनाथ यात्रियों का 19वां जत्था है, जो कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शनिवार देर रात दो बजकर 40 मिनट पर 166 वाहनों के काफिले के साथ गांदरबल जिले के बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुआ।

सोनम वांगचुक को आज अस्पताल से मिलेगी छुट्टी

नई दिल्ली/भाषा। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को मेदांता अस्पताल से सोमवार को छुट्टी दे दी जाएगी और लद्दाख रवाना होने से पहले वे महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने राजघाट जाएंगे। उनकी टीम ने रविवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि वांगचुक ने शुक्रवार देर रात अपना अनशन 26वें दिन समाप्त किया था और गुरुग्राम के अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं। टीम ने बताया कि वांगचुक को सोमवार पूर्वाह्न करीब 11:30 बजे अस्पताल से छुट्टी मिलने की उम्मीद है। टीम ने बताया कि वांगचुक अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद महात्मा गांधी के समाधि स्थल राजघाट जाएंगे। इससे पहले, उन्होंने चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह अर्हता परीक्षा (नीट) में कथित अनियमितताओं का विरोध कर रहे छात्रों के समर्थन में जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने से पहले 28 जून को राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी थी।

फ्रांस में भीषण वनाग्नि से हालात बिगड़े

लेज-कैप-फेरेट (फ्रांस)/एपी। दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस में भीषण वनाग्नि के कारण रविवार रात अन्य 55,000 लोगों को अपना घर-बार छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। शराब के लिए दुनिया भर में मशहूर शहर बोर्दो के बेहद करीब तक आग फैलने के बीच, केवल एक ही क्षेत्र से अब तक 2.20 लाख लोगों को निकाला जा चुका है। पड़ोसी देश स्पेन में पूर्वी तट पर आग के कारण लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। फ्रांस के गिरोंड क्षेत्र के अधिकारियों ने बोर्दो के दक्षिण-पश्चिम में स्थित पांच और इलाकों को रात में खाली कराने के आदेश जारी किए। फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने कहा, ''स्थिति अब भी बेहद प्रतिकूल बनी हुई है।'' दमकलकर्मी उस भीषण आग पर काबू पाने के लिए चौबीसों घंटे मशक्कत कर रहे हैं।

बारिश की बचाई गई हर बूंद आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ी पूंजी है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को लोगों से वर्षा जल का संरक्षण करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आज बारिश की बचाई गई हर बूंद आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ी पूंजी है। मोदी ने जल शक्ति मंत्रालय के 'कैच द रेन' अभियान में जनता की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। 'कैच द रेन' जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन के लिए भारत सरकार का एक राष्ट्रव्यापी अभियान है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि चार जुलाई से जारी इस अभियान में गांवों, शहरों, पंचायतों और सामाजिक संगठनों के लोगों की भारी भागीदारी देखकर उन्हें बहुत खुशी हुई है।

मोदी ने कहा कि 'मन की बात' के पिछले संस्करण में उन्होंने 'कैच द रेन' अभियान की चर्चा की थी और लोगों से इसे जन-आंदोलन बनाने की अपील की थी। उन्होंने कहा, 'कैच द रेन' का संदेश बहुत सरल है-जहां और जब भी बारिश हो, वहीं वर्षा जल का संरक्षण करें। इस पहल के तहत वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, पुराने जलाशयों के पुनर्जीवन और वृक्षारोपण को नई गति दी जा रही है। मुझे बहुत खुशी है कि गांव हों या शहर, पंचायतें हों या सामाजिक संस्थाएं हर जगह लोगों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की है। देशभर में किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कहीं पुराने तालाबों से गाद निकाली जा रही है, तो कहीं कुओं और बावड़ियों को फिर से जीवन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो बोरवेल अब उपयोग में नहीं हैं, उनका भूजल पुनर्भरण के माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

उन्होंने मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के विभिन्न हिस्सों में उठाए गए कदमों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''मध्यप्रदेश के सीधी जिले में लगभग डेढ़ हजार तालाब बनाए गए हैं। नरसिंहपुर में 'अमृत सरोवरों' को संवारा गया है।

महाराष्ट्र के नासिक में बड़ी मात्रा में पानी सहेजने की क्षमता विकसित हुई है।'' मोदी ने कहा, आंध्र-प्रदेश के नंद्याल में सभी ग्राम पंचायतें इस अभियान से जुड़ी हैं और पुराने तालाबों को फिर से उपयोगी बनाया गया है। हमारे शहर भी पीछे नहीं हैं। छत्तीसगढ़ के कोरबा, ओडिशा के भुवनेश्वर और आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में इस अभियान के उत्साहजनक परिणाम दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा, आइए, हम भी अपने आसपास किसी एक तालाब, कुएं या बावड़ी की जिम्मेदारी लें - पानी की हर बूंद बचाएं। आज बचाई गई हर बूंद, आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है।

पाकिस्तान से बातचीत केवल 'पीओके' पर होगी : राजनाथ

द्रास/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को पाकिस्तान पर आतंकवाद को अपनी 'सरकारी नीति का हिस्सा' बनाने का आरोप लगाया और कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के अलावा किसी अन्य मुद्दे पर उसके साथ कोई बातचीत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि पीओके भारत का अभिन्न हिस्सा है, जिस पर पाकिस्तान ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। सिंह ने यहां कारगिल युद्ध स्मारक पर अपने संबोधन में कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने यह दिखाया है कि आतंकवाद के जरिए भारत को धमकाने की कोशिश करने वालों का क्या हश्र होगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत पाकिस्तान की हर दुस्साहसपूर्ण हरकत का ऐसे तरीके से जवाब देने में सक्षम है जो उसकी ''कल्पना से भी परे'' है। सिंह ने यहां कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर 1999 के कारगिल युद्ध में भारत की जीत को भारत माता के मुकुट में ''जड़ा हीरा'' बताया। उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में मई 2025 में चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवाद के आकाओं और उनके समर्थकों को करारा झटका दिया।

कारगिल युद्ध के समय से घुसपैठियों की मंशा नहीं बदली : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

द्रास/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि 1999 के कारगिल युद्ध के समय ''घुसपैठियों की मंशा'' जो थी, उसमें आज भी कोई बदलाव नहीं आया है और भारतीय सेना हर तरह की चुनौती का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए ''पूरी तरह'' तैयार है। रक्षा मंत्री ने शनिवार को द्रास में आयोजित 'शौर्य भोज' के दौरान सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण पर विशेष जोर दिया है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं कि सेना के पास अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध हों और उसे सर्वोत्तम प्रशिक्षण मिले।

राजनाथ सिंह कारगिल विजय दिवस की वर्षगांठ पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत शनिवार शाम कारगिल समर स्मारक में आयोजित 'शौर्य संध्या' में भाग लेने द्रास पहुंचे। कारगिल विजय दिवस 26 जुलाई 1999 को 'ऑपरेशन विजय' के सफल समापन की स्मृति में मनाया जाता है। यह अभियान भारतीय सेना ने कारगिल जिले में पाकिस्तानी सैनिकों के कब्जे वाले भारतीय क्षेत्रों को मुक्त कराने के लिए चलाया था।

रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान का परोक्ष रूप से उल्लेख करते हुए कहा, ''हमें यह याद रखना होगा कि आज भी चुनौतियां कम नहीं हुई हैं। घुसपैठियों की मंशा नहीं बदली है और आज भी वे परोक्ष युद्ध या घुसपैठ जैसे हथकंडों का सहारा लेते हैं।''

उन्होंने कहा, ''मुझे पूरा विश्वास है कि हमारी सेना ऐसी किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है।'' रक्षा मंत्री ने कहा कि ''यह हमारी सदी है, 'आने वाला समय हमारा है' और मुझे विश्वास है कि भारतीय सशस्त्र बल दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनेंगे।''

उन्होंने अपने संबोधन में सशस्त्र बलों और सैनिकों की वीरता को नमन किया। उन्होंने कहा, ''आज हम स्वतंत्र वातावरण में सांस ले रहे हैं और गर्व के साथ सिर ऊंचा करके जी रहे हैं, क्योंकि कारगिल में हमारे सैनिकों ने प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों के बावजूद अपने हौसले को कमजोर नहीं पड़ने दिया।''

आम लोगों के हित के लिए काम करें आयकर अधिकारी : निर्मला सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर विभाग के अधिकारियों से आम नागरिकों के हित में कार्य करने की अपील करते हुए कहा है कि लोगों को अपने वैध कार्यों के लिए 'दर-दर भटकने' पर मजबूर नहीं होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से नियमों के दायरे में रहते हुए जनता के कार्यों का समयबद्ध और संवेदनशील तरीके से निपटारा करने का आग्रह किया। मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित 13 मंजिला आयकर 'सिंधु' भवन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने रविवार को कहा कि इस भवन के निर्माण के लिए आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने में स्वयं आयकर विभाग के अधिकारियों को भी कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि यदि विभाग के अधिकारी ऐसी कठिनाइयों का अनुभव कर सकते हैं, तो उन्हें आम नागरिकों की समस्याओं का भी बेहतर ढंग से एहसास होना चाहिए। सीतारमण ने सरकारी विभागों की सुस्त कार्यशैली पर चिंता जताते हुए कहा कि इसी कारण सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे और अतिक्रमण जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। उन्होंने बताया कि जिस भूमि पर नया भवन बनाया गया है, वह वर्ष 1973 से आयकर विभाग के पास थी, इसके बावजूद उस पर अवैध कब्जे हो गए, जो प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण है। उन्होंने मुंबई और नवी मुंबई में आयकर अधिकारियों के लिए सरकारी आवास की कमी का भी उल्लेख किया और कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए वह आवश्यक कदम उठाएंगी।

प्रह्लाद जोशी ने शिक्षा मंत्री का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली/भाषा। नवनियुक्त केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने पदभार संभाल लिया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। धर्मेंद्र प्रधान के शनिवार को पद से इस्तीफा देने के बाद जोशी को शिक्षा मंत्री नियुक्त किया गया। जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वह उपभोक्ता मामलों के मंत्री हैं। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के प्रश्नपत्र लीक होने के खिलाफ देशभर में कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के नेतृत्व में छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किए। प्रदर्शनों के के बीच, प्रधान ने शनिवार को पद से इस्तीफा दे दिया। प्रधान ने अपने त्यागपत्र में कहा कि यह उनके लिए ''व्यक्तिगत प्रतिष्ठा'' का विषय नहीं है और पिछले 10 दिनों के दौरान हुई घटनाओं से वह व्यथित हैं।

'इंडि' गठबंधन नीट प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस ज्यादतियों का मुद्दा संसद में उठायेगा

नई दिल्ली/भाषा। इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन के घटक दल नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ पुलिस द्वारा कथित रूप से अत्यधिक बल प्रयोग किए जाने के मुद्दे पर सोमवार को संसद में तत्काल चर्चा कराने की मांग जोरदार ढंग से उठाने की तैयारी में हैं। इस मामले में जवाबदेही तय करने की मांग को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है, जबकि तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा में उपनेता सागरिका घोष ने सोमवार को उच्च सदन में दिनभर के कामकाज को स्थगित करने की मांग करते हुए नोटिस दिया है।

एशिया की सबसे बड़ी अश्वनाल झील की बिगड़ती स्थिति को लेकर एनजीटी का केंद्र, अन्य को नोटिस

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने बिहार स्थित एशिया की सबसे बड़ी अश्वनाल झील की बिगड़ती पारिस्थितिक स्थिति के मामले में केंद्र और अन्य संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। अश्वनाल झील नदी के चौड़े मोड़ के मुख्य धारा से कट जाने पर बनने वाला अश्वनाल आकार का एक जलाशय होता है। एनजीटी उस मामले की सुनवाई कर रहा था, जिसमें उसने मीडिया में प्रकाशित एक खबर का स्वतः संज्ञान लिया था। खबर में बिहार के बेगूसराय से करीब 20 किलोमीटर उत्तर स्थित चेरिया बरियारपुर की कंवर झील की बिगड़ती पारिस्थितिक स्थिति का उल्लेख किया गया था। हालिया आदेश में एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य अफरोज अहमद की पीठ ने कहा कि वर्ष 2020 में रामसर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त यह जलाशय एशिया की सबसे बड़ी अश्वनाल झील मानी जाती है और इसने ऐतिहासिक रूप से स्थानीय मछुआरा समुदायों की आजीविका का आधार प्रदान किया है। मीडिया की खबर के अनुसार, जल क्षेत्र के सिकुड़ने और पारिस्थितिक क्षरण के कारण झील में मछलियों की संख्या और जैव विविधता में उल्लेखनीय गिरावट आई है तथा कई देशी मछली प्रजातियां कम हो गई हैं या आर्द्रभूमि के कुछ हिस्सों से लुप्त हो गई हैं। पीठ ने कहा कि कभी लगभग 63 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली यह झील जलस्तर में गिरावट और अतिक्रमण के कारण धीरे-धीरे कई छोटे जलाशयों में बंटती चली गई है।

जंतर-मंतर पर आंदोलन के बाद पसरा सन्नाटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर 36 दिन तक आंदोलन के केंद्र रहे जंतर-मंतर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के एक दिन बाद रविवार को पूरी तरह सन्नाटा रहा। इस बीच, टाइफफाइड से पीड़ित कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के संस्थापक अभिजीत दीपके घर पर हैं, जबकि पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी के बीचों-बीच स्थित जंतर-मंतर पर एक महीने से अधिक समय तक नारेबाजी, भाषण और विरोध प्रदर्शन हुए, लेकिन रविवार को यह क्षेत्र पूरी तरह सुनसान दिखाई दिया। अस्थायी टेंट हटाए जा चुके थे और स्वयंसेवक तथा समर्थक भी वहां से जा चुके थे। आंदोलन की बहुत कम निशानियां बाकी रह गई हैं।

इस प्रदर्शन का आयोजन करने वाली कॉजपा ने अभिजीत दीपके की एक तस्वीर साझा की, जिसमें उन्हें नस के जरिए दवा दी जा रही थी। पार्टी ने उनका एक वीडियो संदेश भी जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा कि लगातार एक महीने से अधिक समय तक चले अभियान और अनिश्चितता के बाद उन्हें आखिरकार सुकून की नींद मिली। दीपके ने कहा, ''बहुत अच्छा लग रहा है। आज आखिरकार मैं अपने कमरे में चैन से सो सका और उठा। यह सोचने की जरूरत नहीं है कि अब आगे क्या करना है या शाम तक क्या होगा। अब कोई घबराहट नहीं है।'' आंदोलन 20 जून को शुरू हुआ था। 20 जुलाई को प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई के बाद यह और तेज हो गया। बाद में कई छात्र संगठनों और सोनम वांगचुक समेत विभिन्न कार्यकर्ताओं ने इसका समर्थन किया। वांगचुक ने आंदोलन के समर्थन में लंबा अनशन भी किया।

कॉजपा ने शनिवार शाम घोषणा की कि सरकार की ओर से सभी मांगें मान लेने के बाद वह अपना आंदोलन वापस ले रही है। इन मांगों में नीट पेपर लीक के बाद कथित रूप से आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को मुआवजा और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकियां वापस लेना भी शामिल था। दीपके ने पिछले ''36 दिनों को बहुत, बहुत कठिन'' बताते हुए देशभर के समर्थकों का धन्यवाद किया।

27-07-2026 सूर्यास्त 6:48 बजे | 28-07-2026 सूर्योदय 6:06 बजे

BSE	NSE
76,391.39	23,767.45
(-331.62)	(-102.15)

सोना	चांदी
14,938 रु.	233,027 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

गालीबाज़ बच्चे

माँ-बापों की इज्ज़त के जो,
उड़ा रहे परखच्चे हैं।
गंदी-गंदी गाली बकते,
क्या ये सचमुच बच्चे हैं?
किनने पाला-पोसा इनको,
वे झूठे या सच्चे हैं।
अगर यही इनकी आजादी,
समझो बिल्कुल कच्चे हैं।।

दुखद निधन/अंतिम यात्रा

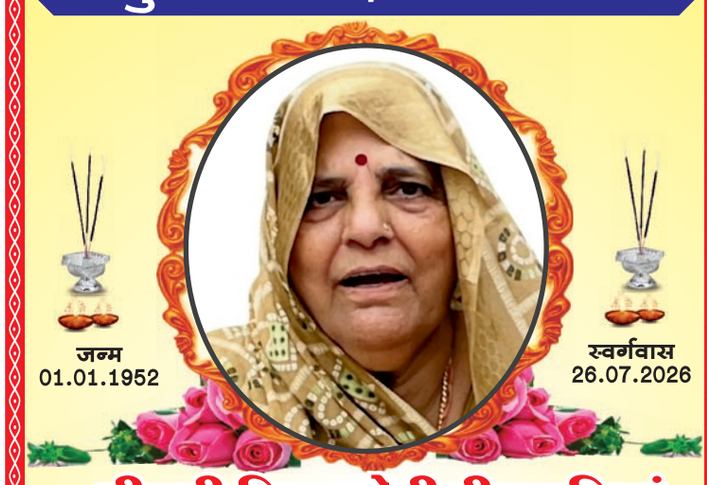

जन्म 01.01.1952
स्वर्गवास 26.07.2026

श्रीमती विमलादेवी डीडवानियां
धर्मपत्नी : रामगोपाल डीडवानियां

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि श्रीमती विमलादेवी डीडवानियां रविवार, 26.07.2026 को सुबह 7.30 बजे गोलोकधाम सिधार गई। विधि की विधान के आगे हम सभी नतमस्तक हैं।

शवयात्रा व अंतिम संस्कार : सोमवार, दि. 27.07.26, सुबह 10 बजे

अंतिम यात्रा हमारे निवास से सुबह 10:00 बजे टी आर मिल शवदाहगृह,चामराजपेट जायेगी।

निवास : Ramgopal Kamlesh Deedwaniya, Ramajoyath, # 56, 3rd Cross,3rd Main, VasanthVallabha Nagar,2nd Stage, Near ISCKON Temple, Kanakapura Road, B'lore 61, Mb: 8880679312, 8660575791

शोकाकुल : पति : रामगोपाल डीडवानिया
सुपुत्र : कमलेश, मुकेश, राजीव, पौत्र : सूरज, सक्षम
एवं समस्त डीडवानियां परिवार, बेंगलूरु-सीकर
बेटी-बेटीजमाई : रेखा-अश्विनीजी शर्मा

'जेन-जी' नई पीढ़ी को शिक्षा से अधिक संस्कारों की आवश्यकता : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद। शहर के एग्जिबिशन ग्राउंड स्थित जगद0 गुरु हीरसूरी वाटिका में महावीरस्वामी जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में आयोजित जागरण सेमिनार को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि विषमताएं और समस्याएं तो हर काल में, हर सरकार में रही हैं, लेकिन गंदी भाषा, मर्यादाहीन व्यवहार, फूहड़ता और निरंकुश मनमानी करते बेपरवाह युवावर्ग को देखकर बहुत पीड़ा हुई। ऐसा स्पष्ट लगा कि यह राम, कृष्ण, महावीर, बुद्ध या नानक के देश व समाज की शिक्षाएं नहीं हैं। जेन-जी के नाम से जानी जाने वाली नई पीढ़ी को शिक्षा से अधिक संस्कारों की आवश्यकता है। भले ही वह इंटरनेट, स्मार्ट फोन और सोशल मीडिया के साथ बड़ी हुई है, मगर समय रहते उन्हें अच्छे संस्कार नहीं सिखाए गए तो समाज और देश का भारी नुकसान होगा। जिसकी भरपाई कितने ही दशकों की मेहनत के बाद भी नहीं हो सकेगी।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया उपस्थित थे। जैनाचार्य के मंगलाचरण से सेमिनार का प्रारंभ हुआ। लाभार्थी परिवारों ने भक्तिसंगीत के साथ ज्ञान के प्रतीक के रूप में दीपों का प्रज्वलन किया। अनेक अतिथियों ने शिविर का शुभारंभ किया। जैनाचार्य व गणिवर्य पद्मविमलसागरजी ने राज्यपाल को साधना का मंत्र एवं जपमाला प्रदान की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रक्तदान शिविर

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु सेंट्रल द्वारा शनिवार को सरजापुर रोड स्थित अभिसिलिकॉन साइन सोसाइटी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 34 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ0। मायुमं सेंट्रल के अध्यक्ष आयुष भीमसरिया ने सभी रक्त दाताओं को धन्यवाद दिया।

रोड रेज संबंधी हमले में तीन लोग गंभीर रूप से घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल के कोच्चि में कक्कानाड के पास रोड रेज की की घटना के बाद कार सवार तीन लोगों के कथित हमले में तीन व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घायलों की पहचान वजक्कला निवासी मोहम्मद शफी, प्रवीण कुमार और निसाम के रूप में हुई है। उन पर कार में सवार तीन लोगों ने कथित तौर पर हमला किया। पुलिस के अनुसार, घटना रविवार तड़के करीब दो बजे कक्कानाड के एनजीओ क्वार्टर्स चौराहे स्थित गोलचक्कर के पास हुई।

पुलिस ने बताया कि विवाद उस समय शुरू हुआ जब मोटरसाइकिल पर सवार शफी और उसके दोस्तों ने कथित तौर पर आरोपियों की कार को आगे निकलने का रास्ता नहीं दिया। प्राथमिकी के अनुसार, इससे नाराज मुख्य आरोपी ने कथित तौर पर 'ब्रास नकल्स' से शफी और उसके दोस्तों के चेहरे पर वार किया। इसमें आरोप लगाया गया है कि तीनों आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से पीड़ितों को लगातार लात-घूंसों से पीटा। प्राथमिकी के अनुसार, हमले में शफी का जबड़ा टूट गया, उसके निचले जबड़े के सामने के चार दांत हिल गए और माथे पर चोट आई। वहीं, प्रवीण कुमार के सिर की हड्डी टूट गई और आंतरिक रक्तस्राव हुआ, जबकि निसाम की नाक पर गंभीर चोटें आईं और उसके होंठ के अंदर गहरे घाव हो गए।

पुलिस को घटना की जानकारी एर्नाकुलम मेडिकल कॉलेज अस्पताल से मिली, जहां घायलों को उपचार के लिए भर्ती कराया गया था। थ्रिक्काकारा पुलिस ने इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 126(2) (गलत तरीके से रोकना), 115(2) (जानबूझकर चोट पहुंचाना), 117(2) (जानबूझकर गंभीर चोट पहुंचाना), 118(2) (खतरनाक हथियारों या अन्य माध्यम से जानबूझकर चोट पहुंचाना), 109(1) (हत्या की कोशिश) और 3(5) (साझा इरादे को पूरा करने के लिए कई लोगों द्वारा किए गए काम) के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि घटना का वीडियो फुटेज मिल गया है और आरोपियों की कार की पंजीकरण संख्या का भी पता चल गया है। आरोपियों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास जारी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संत आगमन

तेरापंथ मुनिश्री विनीतकुमारजी एवं आकाश कुमारजी ने रविवार को गांधीनगर में बने जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन(जीतो) नॉर्थ चैप्टरके नवीन कार्यालय का दौरा किया तथा विभिन्न जानकारियां ली। नार्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया ने संतों के आगमन को सौभाग्य का विषय बताया तथा कार्यालय का अवलोकन करवाया। महामंत्री विजय सिंघवी ने संतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

योगासन चैम्पियशिप :

बेंगलूर के दीर्घायु इंस्टिट्यूट ऑफ़ योग द्वारा गंगोंडनहल्ली स्थित श्री कनक भवन में कर्नाटक स्टेट ओपन योगासन चैंपियनशिप-2026 का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में 600 से भी ज्यादा योग विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। मुणोत ने कहा योग एवं व्यायाम से शारीरिक मानसिक व्यक्तित्व एवं आध्यात्मिक विकास होता है। योगाचार्य गणेश एवं अन्य अतिथियों ने मुणोत को सम्मानित किया।

बाघ दिवस

मध्य प्रदेश के भोपाल में राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर बाघ संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए वन विभाग द्वारा आयोजित मैराथन के प्रतिभागी।

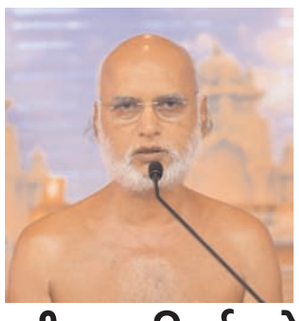

जीवन परिवर्तन के लिए अवचेतन मन को समझना और बदलना आवश्यक : मुनिश्री वीरसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तुबवहल्ली में ज्ञानोदय परिसर में आयोजित चातुर्मास प्रवचन श्रृंखला के अंतर्गत मुनिश्री वीरसागरजी ने 'सबकॉन्शियस माइंड की फितरत को जानो' विषय पर कहा कि मनुष्य अपने जीवन का संचालन केवल चेतन मन से नहीं, बल्कि मुख्य रूप से अवचेतन मन भी करता है। जब तक अवचेतन मन में संचित संस्कारों और धारणाओं में परिवर्तन नहीं होता, तब तक जीवन में स्थायी परिवर्तन संभव नहीं है। अधिकांश लोग नववर्ष, जन्मदिन अथवा किसी विशेष अवसर पर अनेक संकल्प लेते हैं, किन्तु कुछ ही दिनों में वे संकल्प समाप्त हो जाते हैं। इसका कारण यह है कि इच्छाशक्ति केवल चेतन मन पर कार्य करती है, जबकि व्यवहार, आदतें और निर्णय अवचेतन मन द्वारा संचालित होते हैं। इसलिए वास्तविक परिवर्तन के लिए अवचेतन मन का पुनर्निर्माण आवश्यक है।

मुनिश्री ने हींग और केसर के डिब्बे का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि जिस पात्र में वर्षों तक हींग रखी गई हो, उसमें केसर रखने पर भी हींग की गंध बनी रहती है। उसी प्रकार मन में वर्षों से संचित नकारात्मक संस्कार, भय, क्रोध, ईर्ष्या और बुरी आदतें केवल नए संकल्पों से समाप्त नहीं होतीं। इन्हें बदलने के लिए निरंतर साधना, तप, आत्मनिरीक्षण तथा सकारात्मक संस्कारों का सतत अभ्यास आवश्यक है। जैसे शरीर को प्रतिदिन स्नान की आवश्यकता होती है और घर की नियमित सफाई की जाती है, उसी प्रकार मन की भी प्रतिदिन सफाई आवश्यक है। यदि मन को नकारात्मक विचारों, प्रतिक्रियाओं और विकारों से मुक्त नहीं किया जाएगा तो मानसिक अशांति बनी रहेगी।

धर्म, जाति, भाषा के नाम पर खून बहाना बहुत शर्मनाक : राष्ट्रसंत कमलमुनि

मैसूरु। स्थानीय स्थानकवासी जैन संघ, हल्लदकेरी के तत्वावधान में स्थानक भवन में चातुर्मास कर रहे कमलमुनिजी कमलेश ने उपस्थित श्रद्धालुओं से कहा कि निर्दोष, मासूम, निहत्थे बालक युवा, पुरुष और महिला को सताने अथवा मौत के घाट उतारने की इजाजत विश्व का कोई धर्म नहीं देता है । धर्म के नाम पर एक कतरा खून बहाने वाले अपने महापुरुषों के मुंह पर कालिमा पोतने का का काम कर रहे हैं, क्योंकि उन्होंने ऐसा करने की इजाजत नहीं दी, वह अपने धर्म और जाति को बदनाम कर रहे हैं। संतश्री ने कहा कि शहीदों का लक्ष्य सिर्फ देश को आजादी दिलाना अथवा रक्षा का नहीं था, बल्कि देश को ऊंचाइयों के शिखर पर पहुंचने का था। शहीदों के निष्ठा, समर्पण, भक्ति भाव की बदौलत हम चैन की सांस ले रहे हैं । आतंकवाद की लड़ाई में सैनिक के साथ-साथ पत्रकार और सामान्य जनता जिनका बलिदान हुआ है, उनको भी शहीद का दर्जा केंद्र सरकार को देना चाहिए। शहीदों ने देश के लिए खून बहाया तो हम उसकी रक्षा और विकास के लिए कम से कम पसीना बहाने का तो संकल्प जरूर लें। जाति, धर्म, भाषा और प्रांत के नाम पर लड़ने और लड़ाने वाले भी देश को कमजोर कर रहे हैं। हमें आजादी की एक और लड़ाई भ्रष्टाचार, आतंकवाद, मिलावट, बलात्कार, व्यसन, हिंसा के खिलाफ और पर्यावरण की रक्षा के लिए लड़नी है।

चीनी अनुभव से भारतीय स्मार्टफोन ब्रांड बनाने में जुटी एआई प्लस, 7,500 करोड़ रु. के कारोबार का लक्ष्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्मार्टफोन उद्योग में दो दशक से अधिक का अनुभव रखने वाले नेक्स्टक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजी के संस्थापक माधव सेठ भारतीय स्मार्टफोन ब्रांड 'एआई प्लस' को वैश्विक कंपनियों के मुकाबले खड़ा करने की योजना पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चीन के स्मार्टफोन बाजार और आपूर्ति श्रृंखला से मिली सीख का इस्तेमाल वह भारत में एक मजबूत घरेलू ब्रांड बनाने में कर रहे हैं। सेठ ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा कि उनकी कंपनी ने सितंबर, 2025 में अपना पहला स्मार्टफोन बाजार में उतारा था। कंपनी ने अपने पहले ही वित्त वर्ष में 965 करोड़ रुपये का कारोबार किया।

उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष कंपनी का पहला पूर्ण परिचालन वर्ष होगा और इस दौरान कारोबार कई गुना बढ़कर 7,500 करोड़ रुपये से अधिक पहुंचने की उम्मीद है। नेक्स्टक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजी पूरी तरह भारतीय कंपनी है।

सेठ ने कहा कि रियलमी जैसे ब्रांड को चीनी बाजार में स्थापित करने के अनुभव और चीन की मजबूत आपूर्ति श्रृंखला से मिली सीख के आधार पर कंपनी भारत में अपना स्मार्टफोन ब्रांड खड़ा कर रही है। उन्होंने इससे पहले ओप्पो और ऑनर जैसे स्मार्टफोन ब्रांड के साथ भी काम किया है।

सेठ ने कहा कि भारत में स्मार्टफोन बाजार की संभावनाएं बहुत बड़ी हैं। देश में स्मार्टफोन की मांग तेजी से बढ़ रही है, लेकिन अभी तक कोई भी भारतीय स्मार्टफोन ब्रांड वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान नहीं बना पाया है।

उन्होंने कहा, भारत में कलपुर्जों का पूरा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए जरूरी है कि यहां से कोई मजबूत भारतीय ब्रांड खड़ा हो। मौजूदा समय में इस क्षेत्र पर विदेशी कंपनियों का दबदबा है, जिससे घरेलू स्तर पर पुर्जों के निर्माण का विकास मुश्किल रहा है।

असम में बाढ़ की स्थिति में सुधार, 6.50 लाख से अधिक लोग अब भी प्रभावित

गुवाहाटी/भाषा। असम में बाढ़ की स्थिति में रविवार को कुछ सुधार हुआ। बाढ़ प्रभावित अधिकांश क्षेत्रों में जलस्तर घट रहा है क्योंकि इन इलाकों में रातभर बारिश नहीं हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, राज्य के

छह जिलों में अब भी 6.50 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं और इस वर्ष बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 66 हो गई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के एक अधिकारी ने बताया कि ऊपरी असम के अधिकांश बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों विशेषकर चराइदेव, शिवसागर और जोरहाट जिलों में जलस्तर घट रहा है। उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि दिन के दौरान स्थिति में और सुधार होगा। इससे राहत कार्यों को बेहतर ढंग से संचालित करने में मदद मिलेगी।'' प्राधिकरण की ओर से मध्यरात्रि में जारी दैनिक बाढ़ रिपोर्ट के अनुसार, चराइदेव, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, जोरहाट, नगांव और शिवसागर जिलों में 6,54,800 से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। शिवसागर बाढ़ से सर्वाधिक प्रभावित जिला है, जहां करीब 2.90 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। चराइदेव में 1.90 लाख और जोरहाट में 1.30 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। शुक्रवार को राज्य के नौ जिलों में 7.05 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित थे। हालांकि, स्थिति में मामूली सुधार आया है। एएसडीएमए के मध्यरात्रि बुलेटिन के अनुसार, पिछले 24 घंटे में बाढ़ से चार और लोगों की मौत हो गई, जिससे इस वर्ष बाढ़ में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 66 हो गई है। इनमें शिवसागर में तीन और चराइदेव में एक व्यक्ति की मौत हुई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को असम सरकार को बाढ़ से निपटने के लिए केंद्र की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश रुकने से बाढ़ की स्थिति में सुधार के संकेत मिले हैं। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत शिविरों का दौरा कर राहत उपायों की समीक्षा की और अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं, भोजन, पेयजल तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

संबोधन

शिमला के चौड़ा मैदान में प्राथमिक शिक्षक संघ की आम सभा की बैठक को संबोधित करते हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू।

जगन ने डीएससी भर्ती परीक्षा में 'अनियमितताओं' को लेकर लोकेश से इस्तीफा मांगा

अमरावती/भाषा। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के प्रमुख वाई. एस. जगन मोहन रेड्डी ने डीएससी भर्ती परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर आंध्र प्रदेश के शिक्षा मंत्री नारा लोकेश से इस्तीफा देने की मांग की। राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद रेड्डी ने यह मांग की है। हालांकि, नारा लोकेश ने रविवार को जगन की इस मांग को खारिज करते हुए कहा कि जो लोग नैतिक जिम्मेदारी का पाठ पढ़ा रहे हैं, उनका अपना रिकॉर्ड इससे बिल्कुल अलग है।

जगन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था, नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दिया और राजग सरकार के तहत राजनीतिक जवाबदेही का एक मानक स्थापित किया। अब आंध्र प्रदेश में भी ऐसा हो। पूर्व मुख्यमंत्री ने शनिवार को सवाल किया कि क्या नारा लोकेश जिला चयन समिति (डीएससी) परीक्षा प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा देंगे, या फिर मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू राजनीतिक जवाबदेही के राजग के मानकों को बनाए रखने के बजाय अपने बेटे का बचाव करेंगे।

स्वतः संज्ञान लेने से बच रहा सीसीआई, किसी पक्ष के आगे आने के बाद हो रही कार्रवाई : समिति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) स्वतः संज्ञान वाले मामलों को उठाने से परहेज कर रहा है और वह किसी भी मामले पर किसी पक्ष के आगे आने के बाद ही कार्रवाई कर रहा है। आयोग ने एक संसदीय समिति को यह जानकारी दी है। नियामक के पास सभी क्षेत्र में अनुचित व्यावसायिक गतिविधियों को रोकने और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है। राज्यसभा की अधीनस्थ विधान समिति ने सीसीआई के अलग-अलग नियमों और निर्देशों की जांच करते हुए स्वतः संज्ञान मामलों में आई कमी के मुद्दे को उठाया। समिति की 19 मई को हुई बैठक में सीसीआई की चेयरपर्सन रवनीत कौर ने बताया कि शुरुआती वर्षों में ऐसे मामलों की संख्या अधिक थी, क्योंकि प्रतिस्पर्धा कानून को लेकर जागरूकता सीमित थी।

नियामक ने कहा, ''आयोग को लगा कि वह एक पक्ष के खिलाफ मामला भी बना रहा है और उसी पर निर्णय भी दे रहा है, जिससे हितों के टकराव की स्थिति बनती है।'' समिति ने कहा, इसलिए अब ऐसे मामलों को तभी लिया जाता है जब कोई अन्य पक्ष आगे आने को तैयार न हो। साथ ही, जिन क्षेत्रों में क्षेत्रीय नियामक मौजूद हैं, वहां आयोग संयम बरतता है। समिति की रिपोर्ट इस सप्ताह संसद में पेश की गई है। रिपोर्ट में कहा गया, ''अब तक प्राप्त 1,375 प्रतिस्पर्धा-रोधी मामलों में से 1,237 का निपटारा किया जा चुका है।''

इस बीच, समिति के चेयरमैन मिलिंद मुरली देवड़ा ने एंड्रॉयड स्मार्ट टीवी मामले में केवल 20.24 करोड़ रुपये के निपटान पर सवाल उठाया, जबकि यूरोपीय संघ ने इसी तरह के मामले में चार अरब डॉलर का जुर्माना लगाया था। इस पर सीसीआई चेयरपर्सन रवनीत कौर ने स्पष्ट किया कि स्मार्ट टीवी मामले में निपटान राशि भारत में संबंधित बाजार से कंपनी के कारोबार के आधार पर तय की गई थी। गूगल ने एंड्रॉयड स्मार्ट टीवी बाजार में कथित अनुचित कारोबारी व्यवहार से जुड़े लगभग चार साल पुराने मामले में सीसीआई के साथ अप्रैल, 2025 में समझौता किया था और विक्रेताओं के साथ अपने समझौतों में बदलाव करने पर सहमति जताई थी। इस मामले में 20.24 करोड़ रुपये का निपटान हुआ था।

केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने सांसद निधि से त्रिशूर में लागू परियोजनाओं का उद्घाटन किया

त्रिशूर/भाषा। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने रविवार को त्रिशूर लोकसभा क्षेत्र में सांसद निधि से वित्तपोषित विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन किया। केंद्रीय पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और पर्यटन राज्य मंत्री गोपी ने फेसबुक पर उन नई रोशनी प्रणालियों और सड़क नवीनीकरण कार्यों के उद्घाटन की तस्वीरें साझा कीं, जिन्हें 'सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना'(एमपीलैड) के तहत मिले धन से पूरा किया गया है। उन्होंने तस्वीरों के साथ अपनी पोस्ट में कहा, ''त्रिशूर लोकसभा क्षेत्र के मेरे प्यारे भाइयों और बहनों, हमारे देश के विकास के लिए किए गए हर वादे को पूरा करने की खुशी में आपके साथ साझा कर रहा हूं।'' गोपी कहा कि गुरुवायुर और पावारट्टी विधानसभा क्षेत्रों में नई रोशनी व्यवस्था और सड़क नवीनीकरण का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि वह त्रिशूर के सर्वांगीण विकास के लिए काम करना जारी रखेंगे।

बलिदान को मानवता के लिए शाश्वत प्रेरणा थे गुरु तेग बहादुर : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीदर/भाषा। कर्नाटक के राज्यपाल और राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति थावरचंद गहलोत ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक विरासत, धार्मिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले श्री गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान प्रेरणा का शाश्वत स्रोत बना हुआ है और उनके आदर्श आज भी विश्व का मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने गुरु नानक देव इंजीनियरिंग कॉलेज, बीदर में श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत स्मृति के उपलक्ष्य में आयोजित सिख धर्म की शहादत परंपरा और श्री गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही।

राज्यपाल ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान भारत की आध्यात्मिक विरासत, धार्मिक स्वतंत्रता और मानवीय गरिमा का चिरस्थायी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी ने दूसरों की आस्था और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देकर हिंद दी चादर की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया असहिष्णुता, हिंसा और धार्मिक चरमपंथ से जूझ रही है, गुरु तेग बहादुर जी का जीवन और संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। प्रतिशोध के बजाय सत्य और धर्म के लिए आत्म-बलिदान का मार्ग चुनकर गुरु तेग बहादुर जी ने मानवता के लिए एक अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि सिख परंपरा की 'सेवा' (निस्वार्थ सेवा) और गुरुद्वारों में लंगर प्रणाली सामाजिक समानता, बंधुत्व और सांप्रदायिक सद्भाव के अनुकरणीय उदाहरण हैं, जो यह संदेश देते हैं कि सभी मनुष्य समान हैं।

राज्यपाल ने कहा कि कर्नाटक बसवेश्वर, कनकदास और पुरंदरदास जैसे महान संतों की भूमि है, जिन्होंने समानता, सेवा और सामाजिक सद्भाव के मूल्यों का प्रचार किया। उन्होंने बीदर को भारत की आध्यात्मिक एकता का प्रतीक और एक पवित्र स्थान बताया, जहाँ गुरु नानक देव जी ने करुणा और निस्वार्थ सेवा का संदेश फैलाया। 'विकसित भारत-2047' के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए श्री गहलोत ने कहा कि आर्थिक विकास के साथ-साथ चरित्र निर्माण और नैतिक मूल्य राष्ट्र निर्माण के लिए समान रूप से आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 छात्रों में नैतिकता, भारतीय ज्ञान परंपराओं, सेवा, सहिष्णुता और संवैधानिक मूल्यों के पोषण पर विशेष बल देती है। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार के राष्ट्रीय सेमिनार युवा पीढ़ी को भारत के समृद्ध इतिहास, सांस्कृतिक विरासत और शाश्वत मूल्यों से जोड़ने के लिए प्रभावी मंच के रूप में कार्य करते हैं।

उपस्थित लोगों में साहित्य अकादमी के उपाध्यक्ष प्रोफेसर कुमुद शर्मा; साहित्य अकादमी के सचिव डॉ. वरुण गुलाटी; गुरुद्वारा श्री नानक झीरा साहिब प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बलबीर सिंह; उपाध्यक्ष रेशमा कौर; प्रख्यात पंजाबी लेखक मनमोहन; साहित्य अकादमी के पंजाबी सलाहकार बोर्ड के संयोजक रवैल सिंह; भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के प्रतिनिधि; विद्वान, शोधकर्ता, छात्र और अन्य विशिष्ट अतिथि शामिल थे।

प्रधान ने खुद इस्तीफा नहीं दिया, देश के छात्रों और युवाओं ने उन्हें मजबूर किया : शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने रविवार को कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में धर्मेंद्र प्रधान ने स्वेच्छा से इस्तीफा नहीं दिया, बल्कि देश के छात्रों और युवाओं ने उन्हें पद छोड़ने के लिए मजबूर किया। उन्होंने कहा कि छात्र देश का भविष्य हैं। उनकी भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए और उनके हितों की रक्षा की जानी चाहिए। शिवकुमार ने कहा, शिक्षा मंत्री के पद से प्रधान ने खुद इस्तीफा नहीं दिया, उनसे इस्तीफा दिलवाया गया। यह किसी राजनीतिक दल या सरकार की इच्छा नहीं थी। यह देश के छात्रों, युवाओं और 130 करोड़ लोगों की इच्छा थी कि हमें भविष्य की रक्षा करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा कि भविष्य युवाओं और छात्रों के साथ है, और उनकी भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए तथा उनके हितों की रक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, यह देश का कर्तव्य है। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में अनियमितताओं के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) के नेतृत्व में हफ्तों तक चले राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शनों के बाद शनिवार को धर्मेंद्र प्रधान ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया।

शिवकुमार ने सूखे की स्थिति पर चर्चा के लिए कर्नाटक के सांसदों, केंद्रीय मंत्रियों की बैठक बुलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने रविवार को कहा कि उन्होंने राज्य में सूखे की स्थिति और अन्य मुद्दों पर चर्चा के लिए कर्नाटक के सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों की 27 जुलाई को दिल्ली में बैठक बुलाई है। शिवकुमार ने साथ ही कहा कि राज्य विधानमंडल का मानसून सत्र 13 अगस्त से शुरू होगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने कारगिल युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों को भी श्रद्धांजलि दी और उन्हें ''राष्ट्र की जीवनरेखा'' बताया।

शिवकुमार ने कहा, ''मैंने कर्नाटक के सांसदों की कल (दिल्ली में) बैठक बुलाई है। हमें उन्हें सूखे की स्थिति से अवगत कराना है और उनसे सहयोग का अनुरोध करना है। हमें अपने बांधों की स्थिति, अन्य मुद्दों और लंबित परियोजनाओं की ओर भी उनका ध्यान आकर्षित करना है।'' उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि सांसदों की बैठक इसलिए बुलाई गई है ताकि वे संसद के जारी सत्र के दौरान राज्य के हित में मिलकर आवाज उठा सकें। शिवकुमार ने कहा कि केंद्रीय मंत्रियों से भी बैठक में शामिल होने का अनुरोध किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वह इस संबंध में प्रह्लाद जोशी और वी. सोमन्ना से पहले ही बात कर चुके हैं।

उन्होंने कहा, ''मेरी एच. डी. कुमारस्वामी और शोभा करंदलाजे से बात नहीं हो पाई है। मैं उन सभी से बैठक में शामिल होने का अनुरोध करूंगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य विधानमंडल का सत्र 13 अगस्त से शुरू होगा। उन्होंने कहा, ''13 और 14 अगस्त के बाद स्वतंत्रता दिवस का अवकाश रहेगा। इसके बाद सत्र करीब 10 दिन तक चलेगा।''

शिवकुमार के मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद यह राज्य विधानमंडल का पहला सत्र होगा। शिवकुमार ने कारगिल युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों को रविवार को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें ''राष्ट्र की जीवनरेखा'' बताया। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय सैन्य स्मारक जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को लद्दाख में कारगिल की बर्फीली चोटियों पर पाकिस्तानी सैनिकों के साथ करीब तीन महीने तक चले संघर्ष के बाद जीत हासिल करते हुए 'ऑपरेशन विजय' की सफल समाप्ति की घोषणा की थी। इस युद्ध में भारत की जीत की स्मृति में कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है।

कारगिल संघर्ष में भारत की जीत की 27वीं वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री ने कहा कि देश ने 527 वीर सैनिकों के प्राणों की कीमत पर यह विजय हासिल की थी जिनमें कर्नाटक के 13 सैनिक भी शामिल थे।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, उन्होंने कहा, ''उन शहीदों और उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। मैं हमारे शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करता हूं।''

प्रश्नपत्र लीक के लिए डीसी को जिम्मेदार ठहराने का शिवकुमार का फैसला 'राजनीतिक पाखंड' : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता आर. अशोक ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर 'राजनीतिक पाखंड' करने का रविवार को आरोप लगाया और कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व से सवाल किया कि जब उनकी पार्टी सत्ता में होती है तो जवाबदेही ऊपर की बजाय नीचे के अधिकारियों तक ही क्यों सीमित कर दी जाती है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा था कि अब से राज्य की भर्ती परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक होने पर संबंधित जिलों के उपायुक्त को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने शिवकुमार के इस बयान पर कहा कि यह कांग्रेस का ऐसा मॉडल है जिसमें राजनीतिक वर्ग को बचाया जाता है और दोष नीचे के अधिकारियों पर डाल दिया जाता है। अशोक ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और डी.के. शिवकुमार- तीन चेहरे लेकिन पाखंड एक जैसा। दिल्ली में कांग्रेस का तंत्र इस्तीफों की मांग करता है और पूरे देश को जवाबदेही का पाठ पढ़ाता है लेकिन कर्नाटक में वही कांग्रेस सरकार अपनी असली सोच जाहिर कर रही है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि शिवकुमार भविष्य में प्रश्नपत्र लीक रोकने, भर्ती प्रणाली को पूरी तरह सुरक्षित और छेड़छाड़-मुक्त बनाने तथा छात्रों के भविष्य की रक्षा करने की बात नहीं कर रहे हैं।

अशोक ने कहा, ''इसके बजाय उनकी पहली प्रतिक्रिया यह रही कि भविष्य में किसी भी विफलता के लिए उपायुक्तों को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। यानी पहले से ही बलि का बकरा तय कर दिया गया है।'' उन्होंने कहा, ''यही कांग्रेस का मॉडल है- राजनीतिक वर्ग को बचाओ और दोष नीचे के अधिकारियों पर डाल दो।''

दरअसल मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को राज्य के सभी जिला उपायुक्तों को चेतावनी दी थी कि यदि राज्य में भर्ती परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक हुआ, तो उसकी जिम्मेदारी उन्हीं की होगी। यह निर्देश नीट प्रश्नपत्र लीक विवाद के बाद आया है, जिसने देशभर में विरोध-प्रदर्शन को जन्म दिया और अंततः भाजपा नेता धर्मेंद्र प्रधान को केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा।

अशोक ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को एक सरल से प्रश्न का उत्तर देना चाहिए कि जब भाजपा की सरकार होती है तो जवाबदेही ऊपर तक क्यों जाती है, लेकिन जब कांग्रेस की सरकार होती है तो जवाबदेही केवल नीचे के अधिकारियों तक ही क्यों सीमित रहती है? उन्होंने अंत में कहा, एक देश, दो मापदंड। दिल्ली के लिए नैतिकता के भाषण और कर्नाटक के लिए नौकरशाहों को बलि का बकरा बनाना। यह जवाबदेही नहीं, बल्कि राजनीतिक पाखंड है।

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को किया याद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के मुख्यालय, बेंगलूरु ने 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मुख्यालय प्रशिक्षण कमान (आईटी) युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह का आयोजन किया। यह समारोह भारतीय रक्षा बलों के उन वीर योद्धाओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आयोजित किया गया था जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी वीरता राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा के स्रोत के रूप में सदा स्मृति में अंकित रहेगी। प्रशिक्षण कमान के वायु अधिकारी कमान प्रमुख, वायु मार्शल एस श्रीनिवास और प्रशिक्षण कमान के वरिष्ठ अधिकारियों ने वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भारतीय सेना और नौसेना के जवान भी उपस्थित थे। समारोह में गार्ड ऑफ ऑनर (सलामी शास्त्र) के बाद शोक शास्त्र प्रस्तुत किया गया, जिसमें बिगुल वादकों ने अंतिम सलामी की धुन बजाई। दो मिनट के मौन के साथ समारोह का समापन हुआ।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा छात्रों के प्रति राजग सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाता है : कुमारस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। जनता दल (सेक्युलर) नेता एच. डी. कुमारस्वामी ने रविवार को कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा विद्यार्थियों की आकांक्षाओं के प्रति राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की अटूट प्रतिबद्धता और यह सुनिश्चित करने के संकल्प को दर्शाता है कि हर जायज चिंता पर उचित ध्यान दिया जाए। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री कुमारस्वामी ने कहा कि सरकार परीक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए हर आवश्यक कदम उठा रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने और आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को पूरा करने का आग्रह किया।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ देशभर में हुए व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच प्रधान ने शनिवार को यह कहते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया कि यह उनके लिए ''व्यक्तिगत प्रतिष्ठा'' का विषय नहीं है। कुमारस्वामी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत के युवाओं की आवाज को हमेशा ईमानदारी और सम्मान के साथ सुना गया है।''

उन्होंने कहा, ''केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पद छोड़ने का फैसला विद्यार्थियों की आकांक्षाओं के प्रति हमारी सरकार की अटूट प्रतिबद्धता और यह सुनिश्चित करने के उसके संकल्प को दर्शाता है कि हर जायज चिंता पर उचित ध्यान दिया जाए।''

भाजपा, जद(एस) मिलकर आगामी विधानसभा सत्र में कांग्रेस सरकार को घेरेंगे : विजयेंद्र

बेंगलूरु। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी और उसकी सहयोगी जनता दल (एस) आगामी विधानसभा सत्र में सूखे से निपटने समेत राज्य से जुड़े सभी प्रमुख मुद्दे संयुक्त रूप से उठाएंगी और कांग्रेस सरकार को जवाबदेह ठहराएंगी। मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने रविवार को बताया कि राज्य विधानसभा का मानसून सत्र 13 अगस्त से शुरू होगा। विधानसभा सत्र को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में विजयेंद्र ने कहा, सिर्फ चर्चा ही नहीं, बल्कि राज्य से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान भी ढूंढना होगा।

29 जुलाई से बीआईईसी में भारत हरित ऊर्जा और हरित वाहन एक्सपो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। देश के हरित ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहन (ई-मोबिलिटी) क्षेत्र को एक नई दिशा देने के उद्देश्य से, 8वां भारत हरित ऊर्जा एक्सपो और हरित वाहन एक्सपो 29 से 31 जुलाई तक बेंगलूरु प्रदर्शनी केंद्र (बीआईईसी) में आयोजित किया जाएगा। बेंगलूरु मैनेजमेंट एसोसिएशन, कर्नाटक रिन्यूएबल एनर्जी सोलर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और मीडिया डे मार्केटिंग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में, बीईएसकॉम राज्य भागीदार के रूप में शामिल है।

इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से उद्योग, प्रौद्योगिकी संस्थान, निवेशक, सरकारी विभाग और उद्यमी भाग लेंगे।

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार पांडे, आईएएस, बीईएसकॉम के प्रबंध निदेशक डॉ. शिवशंकर एन., कर्नाटक नवीकरणीय ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध निदेशक दिव्या प्रभु जी.आर.जे. और केपीटीसीएल के प्रबंध निदेशक डॉ. रमा प्रसाद मनोहर वी. इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। कर्नाटक चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष उमा रेड्डी, पीआरआई के अध्यक्ष रमेश शिवन्ना, क्रेश्मा के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार के.आर., सचिव ए.सी. ईश्वर, अखिल भारतीय चैंबर ऑफ कॉमर्स फेडरेशन के कर्नाटक राज्य निदेशक वेंकटेश और उद्योग जगत के प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, भारत के हरित ऊर्जा और ई-परिवहन क्षेत्र की क्षमता: नीति, प्रौद्योगिकी, निवेश और परिवर्तन विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जहां विशेषज्ञ हरित ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्रों के विकास, प्रौद्योगिकी, निवेश के अवसरों और भविष्य की चुनौतियों पर चर्चा करेंगे। तीन दिवसीय प्रदर्शनी सुबह 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक जनता के लिए निःशुल्क खुली रहेगी। आयोजकों ने हरित ऊर्जा, सौर ऊर्जा और ई-मोबिलिटी के क्षेत्रों में रुचि रखने वाले आम जनता, छात्रों और उद्यमियों से बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की है।

मैं 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ूंगा : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने रविवार को घोषणा की कि वह बढ़ती उम्र और राजनीति के 'बेहद दूषित' होने के मद्देनजर 2028 का राज्य विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य ने हालांकि स्पष्ट किया कि वह राजनीति में सक्रिय रहेंगे और लोगों की मुश्किलों और भलाई के लिए आवाज उठाते रहेंगे। सिद्दरामय्या ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज राजनीति बहुत दूषित हो गई है, और इसी वजह से मैं 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ूंगा। हालांकि, मैं राजनीति में सक्रिय रहूंगा और लोगों की मुश्किलों और भलाई के लिए आवाज़ उठाता रहूंगा।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने बताया कि यह घोषणा मांड्या जिले के के.आर. पेट में शनिवार को आयोजित एक निजी कार्यक्रम में की।

सिद्दरामय्या ने मैसूरु के वरुणा निर्वाचन क्षेत्र के लोगों द्वारा फिर से चुनाव लड़ने के आग्रह का जिक्र करते हुए कहा, ''मैंने तय किया है कि मुझे अब और चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। पहले, जब मैंने चुनाव लड़ा था, तो निर्वाचन क्षेत्र के लोगों ने ही हमें आर्थिक रूप से समर्थन दिया था और हमारी जीत सुनिश्चित की थी। आज, वैसी स्थिति नहीं रही।'' उन्होंने कहा, ''मैं अब 79 साल का हो गया हूं। हमारी (कांग्रेस) सरकार का कार्यकाल अभी डेढ़ साल और बचा है। तब तक मैं 80 साल से अधिक का हो जाऊंगा। हो सकता है कि मेरी सेहत वैसी न रहे जैसी अभी है, और शायद मैं पहले जैसी ऊर्जा और उत्साह के साथ काम न कर पाऊं।'' कांग्रेस आलाकमान के निर्देश पर सिद्दरामय्या ने 28 मई को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके इस फैसले से डी.के. शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया। इससे पहले, 2023 के चुनावों को अपना आखिरी चुनाव बताते हुए सिद्दरामय्या अपनी पांरपरिक वरुणा सीट से दोबारा चुनाव लड़े और जीत दर्ज की। उन्होंने तब कहा था कि यह उनका आखिरी चुनाव हो सकता है, लेकिन इसके बाद भी वह राजनीति में बने रहेंगे।

विजय दिवस

बेंगलूरु के युद्ध स्मारक पर कारगिल विजय दिवस समारोह के दौरान श्रद्धांजलि अर्पित करते कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार।

देश के अनसुने नायकों को मिल रही राष्ट्रीय पहचान : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर के सांगानेर में आदिवासी समाज की महिलाओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136वें एपिसोड को सुना। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' देश के करोड़ों नागरिकों को सकारात्मक सोच, राष्ट्र निर्माण और जनभागीदारी से जोड़ने का माध्यम बन चुका है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देश के वीर सैनिकों के अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए कहा कि उनका पराक्रम प्रत्येक भारतीय के लिए राष्ट्रभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के अनुरूप रक्षा उत्पादन, स्वदेशी तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में भारत की निरंतर बढ़ती क्षमता का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय रक्षा उपकरणों और तकनीक पर दुनिया का विश्वास मजबूत हो रहा है।

प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, 'एक पेड़ मां के नाम', 'वोकल फॉर लोकल', खादी, हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पादों तथा जनभागीदारी आधारित अभियानों को विकसित भारत की मजबूत नींव बताते हुए नागरिकों से इन्हें जनआंदोलन का स्वरूप देने का आह्वान किया। उन्होंने विज्ञान, अंतरिक्ष, खेल, युवाओं की उपलब्धियों और स्थानीय नवाचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि 140 करोड़ देशवासियों की सामूहिक शक्ति, सकारात्मक सोच और सक्रिय सहभागिता ही विकसित भारत के संकल्प को साकार करेगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री प्रत्येक माह देश के दूर-दराज़ क्षेत्रों में समाज, शिक्षा, महिला सशक्तीकरण, पर्यावरण संरक्षण, कृषि, नवाचार और जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले सामान्य नागरिकों की प्रेरक कहानियों को पूरे देश के सामने लाते हैं। इससे सेवा, समर्पण और नवाचार की संस्कृति को नई ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने महिलाओं के सशक्तीकरण, देश के महापुरुषों के आदर्शों, युवाओं की भूमिका तथा विकसित भारत के निर्माण में जनभागीदारी के महत्व पर विशेष बल दिया। साथ ही आगामी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रत्येक नागरिक से राष्ट्रभक्ति के इस महापर्व में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाने तथा 9 अगस्त से 14 अगस्त तक आयोजित होने वाले 'हर घर तिरंगा' अभियान और तिरंगा यात्राओं से जुड़ने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मन की बात' देश के अनसुने नायकों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने का एक प्रभावी मंच बन गया है। किसी दूरस्थ गांव के शिक्षक, स्वयंसेवी संस्था, महिला स्वयं सहायता समूह, किसान, युवा या सामाजिक संगठन द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों का प्रधानमंत्री उल्लेख करते हैं। इससे ऐसे प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान मिलती है और देशभर के लोगों को समाजहित में आगे बढ़कर कार्य करने की प्रेरणा प्राप्त होती है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह संवाद प्रत्येक नागरिक में राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व, सामाजिक सरोकार और जनसेवा की भावना को मजबूत करता है। 'मन की बात' के माध्यम से देश के कोने-कोने में हो रहे सकारात्मक कार्यों को राष्ट्रीय मंच मिलता है, जिससे विकसित, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के निर्माण में जनभागीदारी और अधिक मजबूत होती है। इस अवसर पर विधायक गोपीचंद मीणा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, आदिवासी समाज की महिलाएं तथा आमजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने रोडवेज की 144 नई बसों को दिखाई हरी झंडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर के हीरापुरा बस टर्मिनल से रोडवेज की 144 नई बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था मजबूत होगी और यात्रियों को अधिक सुविधाजनक यात्रा सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बसों को रवाना करने के बाद कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित, सुलभ और किफायती परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सार्वजनिक परिवहन सेवाओं का विस्तार कर रही है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हमारी प्राथमिकता प्रदेश के हर कोने तक परिवहन सुविधाएं पहुंचाना है। इन 144 नई बसों के परिचालन से लाखों यात्रियों को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली 'डबल इंजन' सरकार को विकास कार्यों में तेजी लाने और जनकल्याणकारी वादों को पूरा करने का श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि बेहतर प्रबंधन और पारदर्शिता के कारण राजस्थान रोडवेज घाटे से उबरकर लाभ की स्थिति में पहुंच गया है।

शर्मा ने कहा, वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित किया गया है और कर्मचारियों को समय पर वेतन का भुगतान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान बस चालकों से संवाद किया और सड़क सुरक्षा दूत के रूप में नामित महिलाओं को हेलमेट वितरित किए। उन्होंने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

शर्मा ने कहा, हेलमेट पहनना और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जनभागीदारी बेहद जरूरी है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, सांसद मंजू शर्मा तथा अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

कारगिल विजय दिवस राष्ट्र के गौरव और एकता का प्रतीक : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने रविवार को कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल सैन्य जीत की याद नहीं बल्कि राष्ट्र के गौरव, एकता और सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान का प्रतीक है। बागड़े ने कारगिल युद्ध की 27वीं वर्षगांठ पर जोधपुर के मेहरानगढ़ किले के निकट आयोजित 'ऑपरेशन विजय कारगिल-2026' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 1999 का कारगिल युद्ध भारतीय सैनिकों के अद्वितीय साहस, पराक्रम और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है।

उन्होंने कहा, कारगिल विजय दिवस हमारे उन वीर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान, अदम्य साहस और अटूट देशभक्ति को नमन करने का पावन अवसर है, जिन्होंने देश की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा की। कार्यक्रम में टाइगर हिल की लड़ाई का सांकेतिक मंचन किया गया, जिसमें कारगिल युद्ध की विषम परिस्थितियों के बीच भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन किया गया।

इस अवसर पर 16 सैनिकों और युद्ध वीरांगनाओं को सम्मानित भी किया गया। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कार्यक्रम में कहा कि कारगिल विजय भारतीय सशस्त्र बलों के अनुशासन, समर्पण और अदम्य साहस का अमिट प्रमाण है। उन्होंने कहा, विपरीत मौसम, ऊंचाई और शून्य से नीचे तापमान जैसी कठिन परिस्थितियों के बावजूद हमारे जवानों ने कारगिल की चोटियों पर दोबारा तिरंगा फहराकर देश का सम्मान कायम रखा।

इस बीच, जयपुर में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में राज्यपाल बागड़े ने शिक्षा और सामाजिक सुधार के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि समाज तभी आगे बढ़ सकता है, जब वह रूढ़िवादिता से बाहर निकलकर शिक्षा को अपनाए। उन्होंने खटीक समाज के 44वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा, समाज तभी प्रगति करता है, जब वह रूढ़िवादी सोच से मुक्त होकर शिक्षा को अपनाता है। बागड़े ने सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए समावेशी विकास आवश्यक है।

सत्संग आत्मजागरण, संस्कार और जीवन मूल्यों के संवर्धन का सशक्त माध्यम : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि सत्संग केवल धार्मिक अनुष्ठानों अथवा पौराणिक कथाओं के श्रवण तक सीमित नहीं है, बल्कि श्रेष्ठ व्यक्तित्वों, ज्ञानवान आचार्यों और संतों के सान्निध्य से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन, नैतिक मूल्यों, आत्मानुशासन एवं आत्मजागरण का मार्ग प्रशस्त करने वाली सशक्त जीवनदृष्टि है। उन्होंने कहा कि भारतीय सनातन संस्कृति में सत्संग को इसलिए सर्वोच्च स्थान प्राप्त है, क्योंकि यह व्यक्ति के विचार, व्यवहार और चरित्र का परिष्कार कर समाज तथा राष्ट्र के कल्याण का आधार बनता है।

राज्यपाल बागड़े रविवार को सम्बोधि धाम, जोधपुर द्वारा गांधी मैदान में आयोजित लोक कल्याणकारी 52 दिवसीय चातुर्मास आध्यात्मिक महोत्सव 'जीने की कला' प्रवचनमाला एवं दिव्य सत्संग कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि संतों का सान्निध्य ही जीवन को आलोकित करता है राष्ट्रसंत ललितप्रभ सागर जी एवं राष्ट्रसंत चंद्रप्रभ सागर जी को नमन करते हुए कहा कि दोनों आचार्यों ने भारतीय संस्कृति, श्रमण परम्परा तथा आध्यात्मिक मूल्यों के प्रसार के माध्यम से समाज को नई दिशा प्रदान की है।

उन्होंने कहा कि धर्म को केवल पूजा-पद्धति तक सीमित न रखकर जीवन जीने की कला, नैतिक मूल्यों, व्यक्तित्व निर्माण और मानवीय संवेदनाओं से जोड़ना संत परम्परा की महान विशेषता है। उन्होंने दोनों संतों द्वारा हजारों किलोमीटर की पदयात्राओं के माध्यम से जन-जन तक सद्भाव, अहिंसा, आत्मानुशासन एवं मानवीय मूल्यों का संदेश पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की। राज्यपाल ने कहा कि आदि शंकराचार्य द्वारा देश के चारों दिशाओं में स्थापित मठ केवल आस्था के केन्द्र नहीं थे, बल्कि राष्ट्रीय एकात्मता, सांस्कृतिक चेतना और ज्ञान के व्यापक प्रसार के सशक्त माध्यम भी थे। इसी प्रकार श्रमण परम्परा की पदयात्राएं समाज के साथ सतत संवाद स्थापित कर जनकल्याण और लोकमंगल की भावना को सुदृढ़ करती हैं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि सम्बोधि धाम अंतरराष्ट्रीय सत्संग, साधना एवं सेवा केन्द्र के रूप में मानवता, शांति, अहिंसा और आत्मविकास के मूल्यों के संवर्धन का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि चातुर्मास केवल संतों के एक स्थान पर विराजमान होने का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन, आत्मसंयम, आत्मपरिवर्तन और आत्मजागरण का महापर्व है। भारतीय मनीषा ने वर्षा ऋतु को केवल प्रकृति के पुनर्जीवन का काल नहीं माना, बल्कि इसे व्यक्ति के भीतर ज्ञान, करुणा, विवेक और संयम के नवसंचार का भी अवसर माना है।

कारगिल विजय दिवस

राजस्थान के बीकानेर में रविवार को 27वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर 1999 के कारगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने वाले जवानों को श्रद्धांजलि देते एनसीसी कैडेट।

कारगिल के वीरों का बलिदान देश के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 27वें विजय दिवस के अवसर पर कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए रविवार को कहा कि वीरों का बलिदान देश के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। मुख्यमंत्री ने जयपुर स्थित अमर जवान ज्योति स्मारक पहुंचकर राष्ट्र की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को पुष्पचक्र अर्पित किया और उन्हें नमन किया। शर्मा ने कहा, कारगिल के वीर सैनिकों का बलिदान देश के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा। उन्होंने राष्ट्र की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए सैनिकों के साहस, शौर्य और समर्पण को याद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सेना के जवानों ने अत्यंत विषम परिस्थितियों में अद्वितीय वीरता और अटूट संकल्प का परिचय देते हुए विश्व पटल पर देश का गौरव बढ़ाया।

उन्होंने कहा, देश अपने सैनिकों और शहीदों के सर्वोच्च बलिदान के लिए सदैव उनका ऋणी रहेगा। मुख्यमंत्री ने सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों के सम्मान तथा कल्याण के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता भी दोहराई।

जोधपुर में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के दीक्षारंभ सत्र में शामिल हुईं दिया कुमारी

जोधपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के दीक्षारंभ सत्र 2026-27 में सहभागिता कर नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों के लिए बेहतर शैक्षणिक एवं आवासीय सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सावित्रीबाई फुले छात्रावास का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया।

आमेर महल की ऐतिहासिक भित्ति चित्रकारी में पहली बार आधुनिक तकनीक का हो रहा उपयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विश्व धरोहर आमेर महल की 16वीं से 18वीं शताब्दी की ऐतिहासिक भित्ति चित्रकारी (वॉल पेंटिंग्स) को संरक्षित करने के लिए पहली बार अत्याधुनिक वैज्ञानिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। संरक्षण परियोजना से जुड़े अधिकारी कीर्तिपाल सिंह परमार ने कहा कि इसके लिए एक्स-रे फ्लोरेसेंस (एक्सआरएफ),अल्ट्रावॉयलेट फोटोग्राफी, मल्टीस्पेक्ट्रल इमेजिंग और इन्फ्रारेड जैसी आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

परमार ने कहा कि भारत सरकार का इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) का संरक्षण प्रभाग आमेर विकास एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एडीएमए) और पुरातत्व विभाग के सहयोग से आमेर महल के भित्ति चित्रों का वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण और संरक्षण कर रहा है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य चित्रों की मौजूदा स्थिति, उनमें प्रयुक्त मूल रंगों और सामग्री की पहचान कर वैज्ञानिक आधार पर संरक्षण करना है, ताकि उनकी ऐतिहासिक मौलिकता और प्रामाणिकता बरकरार रह सके। इस परियोजना के लिए 2.32 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। आईजीएनसीए की विशेषज्ञ टीम भित्ति चित्रों के संरक्षण से पहले उनका वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण कर रही है।

परियोजना प्रबंधक के रूप में कार्यरत परमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि प्रदेश में पहली बार राजस्थान पुरातत्व विभाग के किसी महल में करीब एक करोड़ रुपये मूल्य की अत्याधुनिक एक्स-रे फ्लोरोसेंस (एक्सआरएफ) मशीन के जरिए भित्ति चित्रों का वैज्ञानिक विश्लेषण किया जा रहा है। एक्स-रे फ्लोरेसेंस तकनीक की खासियत यह है कि बिना किसी प्रकार की छेड़छाड़ या नुकसान पहुंचाए, किसी प्रकार का नमूना लिए बिना ही भित्ति चित्रों की सतह पर उपकरण रखकर उनमें प्रयुक्त प्राकृतिक रंगों, उनकी रासायनिक संरचना और सतह की स्थिति का सटीक पता लगाया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि इसके आधार पर यह तय किया जा सकता है कि सफाई और संरक्षण के दौरान किन रसायनों का उपयोग सुरक्षित रहेगा तथा किन पदार्थों से बचना चाहिए। इससे संरक्षण कार्य पूरी तरह वैज्ञानिक आधार पर होगा और सदियों पुराने मूल रंगों व कलाकृतियों को सुरक्षित रखने में बड़ी मदद मिलेगी।

परमार ने कहा, इसके अलावा अल्ट्रावॉयलेट फोटोग्राफी के जरिए यह भी पता लगाया जा रहा है कि किन भित्ति चित्रों पर पहले कभी 'री-टचिंग' या रंगाई की गई थी। यदि बाद में चढ़ाई गई रंगों की परतें मिलती हैं, तो उनका अध्ययन कर आवश्यकता पड़ने पर उन्हें हटाया जाएगा और मूल चित्र के अनुरूप ही संरक्षण किया जाएगा।

उन्होंने कहा, आमेर महल की ये भित्ति चित्रकारी सदियों से धूप, बारिश, नमी, तापमान में बदलाव जैसे प्राकृतिक कारकों का सामना कर रही है। खुले वातावरण में होने के कारण कई स्थानों पर रंग फीके पड़ गए हैं, सतह क्षतिग्रस्त हुई है और कुछ हिस्सों में लोगों द्वारा खुरचने जैसी गतिविधियों से भी नुकसान पहुंचा है। इसी वजह से संरक्षण कार्य शुरू करने से पहले इन चित्रों का विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन किया जा रहा है। परमार ने बताया कि फिलहाल इस कार्य की शुरुआत आमेर महल की भोजनशाला से की गई है। इसके बाद सिंहपोल, गणेशपोल और मान सिंह महल की भित्ति चित्रकारी का पता लगाया जाएगा।

विशेषज्ञों ने भोजनशाला और गणेशपोल में मल्टी स्पेक्ट्रम इमेजिंग तकनीक के माध्यम से चित्रों की विस्तृत डिजिटल मैपिंग और छिपी हुई परतों का अध्ययन किया। वैज्ञानिक विश्लेषण पूरा होने के बाद विस्तृत संरक्षण दिशानिर्देश तैयार किए जाएंगे और उसी के आधार पर सफाई, संरक्षण तथा 'री-टचिंग' का कार्य किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि किसी भी भित्ति चित्र की सफाई शुरू करने से पहले विभिन्न स्थानों पर चार गुणा चार इंच के परीक्षण नमूने तैयार किए जा रहे हैं। इन परीक्षणों के माध्यम से यह तय किया जा रहा है कि किस प्रकार के रसायनों से सतह की सुरक्षित सफाई की जा सकती है, ताकि मूल चित्रों को किसी प्रकार का नुकसान न पहुंचे।

उन्होंने बताया कि आमेर महल के विभिन्न हिस्सों में चित्रांकन शैली और सतह अलग-अलग प्रकार की है। सबसे पुराने हिस्सों में 16वीं शताब्दी की अपेक्षाकृत साधारण टेराकोटा रंगों वाली चित्रकारी है, जबकि गणेशपोल सहित अन्य हिस्सों में आराइश (चूने के चिकने पलस्तर) पर उत्कृष्ट भित्ति चित्र बनाए गए हैं। सफाई के बाद ही इन चित्रों के वास्तविक रंग और मूल स्वरूप पूरी तरह सामने आ सकेंगे। विशेषज्ञों के अनुसार, राजस्थान में आज भी कुछ पारंपरिक लघु चित्र कलाकार प्राकृतिक रंग तैयार करते हैं। इन कलाकारों द्वारा तैयार किए गए प्राकृतिक रंग की तुलना प्राचीन भित्ति चित्रों के मूल रंगों से की जा रही है।

बाढ

असम के शिवसागर जिले में रविवार को आई भीषण बाढ़ के कारण निमईजान गांव में बाढ़ के पानी में आंशिक रूप से डूबी एक स्कूटी।

भारत एक विश्वसनीय वैश्विक रक्षा साझेदार के रूप में उभर रहा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत एक विश्वसनीय वैश्विक रक्षा साझेदार के रूप में उभर रहा है और लगातार अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में 1999 के कारगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। 'कारगिल विजय दिवस' का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि लोगों के जीवन में कुछ तारीखें ऐसी होती हैं जिन्हें याद रखने के लिए कैलेंडर देखने की आवश्यकता नहीं पड़ती। उन्होंने कहा, ''आज 26 जुलाई ऐसी ही एक तारीख है। आज कारगिल विजय दिवस' है। यह दिन हमें गर्व से भर देता है। यह दिन हमारे वीर सैनिकों के अद्भुत साहस की याद दिलाता है।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''कारगिल की ऊंची-ऊंची चोटियां, खराब मौसम और दुश्मन की चुनौती- हमारे सैनिकों ने हर परिस्थिति का डटकर सामना किया, लेकिन उनका हौसला हर चुनौती से कहीं बड़ा था।'' उन्होंने कहा कि आज का भारत न केवल अपने वीरों को याद करता है, बल्कि उनकी गौरवगाथा नई पीढ़ी तक भी पहुंचाता है। इसी भावना के साथ इस वर्ष 'शौर्य विजय यात्रा' का

विशेष आयोजन किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सैनिकों के साहस के साथ-साथ भारत अपनी प्रौद्योगिकी क्षमता भी लगातार मजबूत कर रहा है। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले आईएनएस महेंद्रगिरि' को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया और यह आधुनिक युद्धपोत पूरी तरह भारत में डिजाइन एवं निर्मित किया गया है।

मोदी ने कहा, ''इसके निर्माण में इस्तेमाल की गई 75 प्रतिशत से अधिक सामग्री स्वदेशी है। यह आत्मनिर्भर भारत की बढ़ती ताकत का प्रतीक है।'' उन्होंने कहा कि इसी महीने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने लंबी दूरी की मारक क्षमता वाले पिनाका रॉकेट का भी सफल परीक्षण किया और इस सफलता के पीछे हमारे वैज्ञानिकों तथा इंजीनियरों की सामूहिक मेहनत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दो-तीन दिन पहले ही डीआरडीओ ने कुशा मिसाइल' का भी सफल परीक्षण किया है। उन्होंने कहा कि आज रक्षा उत्पादन हो या रक्षा निर्यात, भारत लगातार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जुलाई की शुरुआत में वह इंडोनेशिया की यात्रा पर थे और उस दौरान ब्रह्मोस एवं अस्त्र मिसाइलों से संबंधित एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ। प्रधानमंत्री ने निजी क्षेत्र द्वारा विकसित भारत के पहले रॉकेट 'विक्रम-1' के पिछले रविवार को हुए सफल प्रक्षेपण का जिक्र करते हुए कहा कि इससे हर भारतीय गर्व महसूस कर रहा है।

उन्होंने कहा, ''हमारे युवा नवप्रवर्तकों ने वह उपलब्धि हासिल की है जिसकी कभी कल्पना करना भी कठिन था। उन्होंने अद्भुत कौशल, जुनून और धैर्य का परिचय दिया है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र निजी क्षेत्र के लिए बंद रहा, जिससे अनेक प्रतिभाशाली युवाओं को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा, ''युवाओं के हितों को ध्यान में रखते हुए हमने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी उद्यमों के लिए खोला और आज पूरी दुनिया इसके परिणाम देख रही है।''

प्रधानमंत्री ने बैडमिंटन खिलाड़ी पी. वी. सिंधु का भी उल्लेख किया, जिन्होंने जापान ओपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रचा। उन्होंने कहा कि पूरे देश को उनकी इस उपलब्धि पर गर्व है। उन्होंने लंदन के लॉर्ड्स मैदान पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पहली टेस्ट मैच जीत का भी उल्लेख करते हुए इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। प्रधानमंत्री ने खेलों से जुड़ी एक अनोखी पहल का भी जिक्र किया।

उन्होंने बताया कि केरल के एर्नाकुलम जिले के साउथ चित्तूर स्थित एक स्कूल में संस्कृत क्लब चलाया जा रहा है, जहां शिक्षक अभिलाष संस्कृत को रोचक ढंग से सिखा रहे हैं। उन्होंने कहा, इस परियोजना का नाम 'अक्षरकंदुक' है। इसमें संस्कृत के अक्षरों को फुटबॉल में इस्तेमाल होने वाले शब्दों से जोड़कर सरल तरीके से समझाया जाता है। इससे सीखना आनंददायक बनता है और लोगों का खेलों से जुड़ाव भी बढ़ता है। प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड में भारतीय छात्रों की उपलब्धियों, उत्तर प्रदेश के बिजनौर की महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा तैयार की जा रही विदुर प्रेरणा स्वदेशी हर्बल चाय', तथा एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत लाखों पौधे लगाए जाने का भी उल्लेख किया।

नीट प्रश्नपत्र लीक को लेकर प्रदर्शन के दौरान हिंसा के सिलसिले में तीन और गिरफ्तार

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में दो दिन पहले हुए प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा के सिलसिले में पुलिस ने रविवार को तीन और लोगों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांचकर्ताओं ने घटनास्थल की सीसीटीवी फुटेज और वीडियो रिकॉर्डिंग के आधार पर आरोपियों की पहचान की, जिसके बाद कई स्थानों पर छापेमारी कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कारया थाना क्षेत्र निवासी शहबाज खान (34), राजाबागान निवासी मोहम्मद सलमान हुसैन और दक्षिण 24 परगना जिले के विजयगंज निवासी मोहम्मद जोहिरुद्दीन मल के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सभी 14 आरोपियों को रविवार को शहर की अदालत में पेश किया जाएगा, जहां पुलिस आगे की जांच के लिए उनकी हिरासत का अनुरोध करेगी। कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''हिंसा में शामिल लोगों की पहचान के लिए हम सीसीटीवी फुटेज तथा मोबाइल फोन से बनाए गए वीडियो और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रहे हैं।

गुजरात, दादरा एवं नगर हवेली में भारी बारिश के बाद सेना ने 790 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। भारतीय सेना ने दक्षिण गुजरात, अहमदाबाद तथा केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली के बाढ़ प्रभावित इलाकों में व्यापक राहत एवं बचाव अभियान चलाकर जलमग्न और दुर्गम क्षेत्रों में फंसे 790 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, 21 और 22 जुलाई को दक्षिण गुजरात में हुई मूसलाधार बारिश के बाद राज्य के कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात बन गए। पिछले कुछ दिनों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 35 लोगों की मौत हो चुकी है जिनमें से सबसे अधिक 29 मौतें वलसाड और नवसारी जिलों में हुई हैं।

रक्षा मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार, भारतीय सेना की दक्षिणी कमान ने 23 जुलाई की शाम को मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर) अभियान शुरू किया। पिछले तीन दिनों के दौरान सेना ने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र, नागरिक प्रशासन तथा अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावित लोगों तक समय पर सहायता पहुंचाई। विज्ञप्ति के अनुसार, नवसारी, वलसाड, वापी, सिलवासा तथा अहमदाबाद के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सेना की कई राहत एवं बचाव टुकड़ियां तैनात की गई हैं। साथ ही, किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त टुकड़ियों को भी तैयार रखा गया है।

पूरे अभियान के दौरान सेना ने जलमग्न और दुर्गम इलाकों में राहत एवं बचाव कार्य करते हुए 790 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया। विज्ञप्ति में कहा गया कि चिकित्सा दलों ने जरूरतमंदों को तत्काल स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराईं, जबकि राहत दलों ने प्रभावित लोगों के बीच भोजन, पेयजल और अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की। सेना ने प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य जनजीवन बहाल करने के लिए नागरिक प्रशासन को भी हरसंभव सहयोग दिया।

कांवड यात्रा

उत्तराखंड के हरिद्वार में रविवार को वार्षिक कांवड़ यात्रा के दौरान हर की पौड़ी से गंगाजल लेने के बाद अपने कंधों पर भगवान शिव की मूर्ति ले जाता एक श्रद्धालु।

कांवड़ यात्रा के मद्देनजर मेरठ परिक्षेत्र में चार अस्थायी थाने, 58 पुलिस चौकियां स्थापित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेरठ/भाषा। उत्तर प्रदेश में श्रावण मास की कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और उन्हें त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के लिए मेरठ परिक्षेत्र में चार अस्थायी थाने व 58 अस्थायी चौकियां स्थापित की गई हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, इस वर्ष श्रावण मास शुरू होने से चार दिन पहले ही इन व्यवस्थाओं को सक्रिय कर दिया गया है। मेरठ परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) कलानिधि नैथानी ने बताया कि कांवड़ मार्गों और मेला क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, भीड़ प्रबंधन, आपात स्थिति में त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया तथा श्रद्धालुओं को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इन अस्थायी थानों व चौकियों की स्थापना की गई है।

उन्होंने बताया कि मेरठ जिले में एक अस्थायी थाना व नौ चौकियां, बुलंदशहर में एक थाना व 17 चौकियां, बागपत में एक थाना व 11 चौकियां तथा हापुड़ में एक थाना व 21 चौकियां स्थापित की गई हैं। अधिकारी ने बताया कि इन सभी स्थानों पर आवश्यक पुलिस बल भी तैनात किया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अस्थायी थानों और चौकियों को श्रद्धालु-अनुकूल बनाया जाए। नैथानी ने बताया कि प्रत्येक इकाई पर एक क्यूआर कोड लगाया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को मार्ग और आसपास उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी मिल सकेगी। उन्होंने सभी चौकियों पर सहायता केंद्र और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं। नैथानी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को अनुशासित रहते हुए प्रत्येक सूचना पर तत्काल कार्रवाई करने, श्रद्धालुओं के साथ शिष्ट व्यवहार बनाए रखने, संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर बीमार या घायल शिवभक्तों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने व उन्हें अस्पताल पहुंचाने के निर्देश दिए।

मीराबाई चानू ने राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्णिम हैट्रिक पूरी की

ग्लास्गो/भाषा

मीराबाई चानू ने एक बार फिर साबित कर दिया कि भारतीय भारोत्तोलन में उनका दबदबा अब भी कायम क्यों है और मणिपुर की इस स्टार भारोत्तोलक ने रविवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों की महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। मीराबाई की जीत को लेकर किसी तरह का संदेह नहीं था।

बस सवाल यह था कि मीराबाई अपनी सीमाओं को कितना आगे ले जाएंगी। और 31 साल की इस सुपरस्टार ने ताकत और संयम के शानदार प्रदर्शन के साथ रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराते हुए जबरदस्त अंदाज में जवाब दिया।

उन्होंने स्नैच स्पर्धा में राष्ट्रमंडल और राष्ट्रमंडल खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया जबकि क्लीन एंव जर्क और कुल वजन में भी राष्ट्रमंडल खेलों के नए कीर्तिमान स्थापित किए। मीराबाई ने कुल 190 किलोग्राम, स्नैच में 85 किलोग्राम और क्लीन एंव जर्क में 105 किलोग्राम वजन उठाया। उनका दबदबा इतना जबरदस्त था कि रजत पदक जीतने वाली नाइजीरिया की रूथ असुओक्रो न्योंग कुल 168 किलोग्राम वजन ही उठा सकीं जो मीराबाई से पूरे 22 किलोग्राम कम था।

मीराबाई का मुकाबला तब शुरू हुआ, जब बाकी सभी प्रतिभागी अपना प्रदर्शन पूरा कर चुके थे। हालांकि, इस स्वर्णिम सफर की शुरुआत थोड़ी तनावपूर्ण रही। स्नैच में 82 किलोग्राम के अपने पहले प्रयास में वह सफल नहीं हो सकीं। लेकिन एक सच्ची चैंपियन की तरह उन्होंने तुरंत वापसी की और अपने शानदार जज्बे तथा अनुभव का परिचय देते हुए लय हासिल कर ली। यही गुण उनके पूरे करियर की पहचान रहे हैं।

भारत विरोधी षड्यंत्रों के खिलाफ शिक्षक समाज को खड़ा होना होगा : योगी

आगरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षकों और उच्च शिक्षण संस्थानों का आह्वान करते हुए रविवार को कहा कि यदि देश के भीतर विरोधी ताकतें षड्यंत्र रचकर अव्यवस्था फैलाने का प्रयास करें, तो ऐसे प्रयासों के खिलाफ शिक्षक समाज को मजबूती से खड़ा होना होगा। आगरा दौरे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने यहां उच्च शिक्षा विभाग के 7.50 लाख से अधिक शिक्षकों और उनके आश्रितों के लिए मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना' की शुरुआत के बाद आयोजित समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ''भारतीय परंपरा में शिक्षक का स्थान सर्वोच्च रहा है। चाहे वह शासकीय व्यवस्था का हिस्सा रहे हों या गुरुकुल परंपरा का, गुरु का महत्व सदैव सर्वोपरि रहा है।''

गुरु पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर आयोजित इस कार्यक्रम में योगी आदित्यनाथ ने बिना किसी का नाम लिए कहा, ''जिन लोगों को भारत की प्रगति अच्छी नहीं लगती, वे किसी न किसी रूप में समाज में विद्वेष फैलाने का प्रयास करते हैं।

'' उन्होंने आरोप लगाया, ''ऐसी ताकतों के पास आधुनिक तकनीक भी है और भारत-विरोधी ताकतों से मिलने वाला धन भी। वे इनका दुरुपयोग कर देश में अव्यवस्था का माहौल बनाने और लोगों को दिग्भ्रमित करने की कोशिश करेंगे।'' मुख्यमंत्री ने शिक्षकों को आगाह करते हुए कहा, ''याद रखिए, दिग्भ्रमित समाज अंततः नकारात्मकता से भर जाता है और अपने ही हितों को नुकसान पहुंचाने लगता है।

एयर इंडिया कुछ ड्रीमलाइनर विमानों में कर रही सुधार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एयर इंडिया अपने कुछ बोइंग 787 विमानों में डोर असिस्ट हैंडल' से जुड़ी संभावित समस्या को दूर करने के लिए इनमें सुधार कर रही है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब अमेरिकी संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने इस मुद्दे पर उड़ान पात्रता निर्देश जारी किया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। एफएए ने इस महीने की शुरुआत में बोइंग 787-8, 787-9 और 787-10 के कुछ मॉडल के लिए यह निर्देश लिए थे। यह निर्देश उड़ान रवाना होने से पहले की गई जांच के दौरान विमान के दरवाजे के सपोर्ट ब्रैकेट में लगे डोर असिस्ट हैंडल के निचले हिस्से से ढीला होने की शिकायतें सामने आने के बाद लिए गए हैं।

नियामक ने एयरलाइन से इन मॉडल में आवश्यक सुधार करने को कहा है, क्योंकि हैंडल के अलग होने से दरवाजा खोलते समय यात्रियों, चालक दल या रखरखाव कर्मियों को चोट लगने का खतरा हो सकता है। एयर इंडिया के पास वर्तमान में 35 ड्रीमलाइनर विमान हैं। एक सूत्र ने बताया कि एयरलाइन एफएए के निर्देश से अवगत है और इसका मौजूदा उड़ान संचालन या सुरक्षा पहलुओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। निर्देश के अनुरूप चरणबद्ध तरीके से आवश्यक संशोधन किए जा रहे हैं और कुछ पुराने विमानों में यह काम पूरा भी किया जा चुका है। हालांकि, कितने ड्रीमलाइनर विमानों में संशोधन की आवश्यकता है, इसका ब्योरा फिलहाल उपलब्ध नहीं हो सका है। इस संबंध में एयर इंडिया और बोइंग की ओर से कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है।

जिन लोगों ने इटावा के सामने पहचान का संकट खड़ा किया, अब उनके सामने स्वयं की पहचान का संकट : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इटावा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों ने इटावा के सामने पहचान का संकट खड़ा किया था, आज उनके सामने स्वयं की पहचान का संकट खड़ा हो गया है। योगी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के गृह जिले इटावा में 604 करोड़ रुपये की लागत वाली 128 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 के बाद राज्य में हुए बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा, अब उत्तर प्रदेश में पहचान का संकट नहीं है, इटावा में पहचान का संकट नहीं है। अब उपद्रव, अराजकता और गुंडागर्दी नहीं है।

उन्होंने कहा, ''अब उत्तर प्रदेश में एक जिला-एक माफिया नहीं, बल्कि एक जिला-एक मेडिकल कॉलेज, एक जिला-एक उत्पाद और एक जिला-एक व्यंजन की पहचान है।'' योगी ने कहा, अब इटावा के नाम से कोई दहशत नहीं होती। इटावा के नौजवान के सामने पहचान का संकट नहीं है। प्रदेश और देश में कहीं भी जाने पर उसे वही सम्मान मिलता है, जो उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों के लोगों को मिलता है।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली 'डबल इंजन' सरकार ने यह अवसर उपलब्ध कराया है। मुख्यमंत्री ने सपा पर तंज कसते हुए कहा, 2017 से पहले इटावा के सामने पहचान का संकट किसने खड़ा किया था? यह संकट किसी और ने नहीं, बल्कि इटावा से जीतने वाले लोगों ने ही पैदा किया था।

उन्होंने कहा, ''अगर इटावा के नौजवानों, किसानों, कारीगरों और बहन-बेटियों के सामने पहचान का संकट खड़ा होता है तो वह पूरे उत्तर प्रदेश का संकट बन जाता है। पहले यही स्थिति थी। लोग इस मार्ग से गुजरने तक से डरते थे।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''इटावा के नाम पर देश में होटल में कमरा नहीं मिलता था और निवेश पूरी तरह नदारद था। लोग कहते थे कि जब हम स्वयं सुरक्षित नहीं हैं तो हमारी पूंजी कैसे सुरक्षित रहेगी।'' योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर वर्ष 2017 में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद अपराध और अपराधियों के प्रति किसी प्रकार की कोई नरमी नहीं बरतने की नीति अपनाई गई।

उन्होंने कहा कि सरकार ने संगठित अपराधियों की कमर तोड़ने और माफिया को मिट्टी में मिलाने का संकल्प लिया था। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि भाजपा ने जो कहा था, वह करके दिखाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा ने उत्तर प्रदेश के हर जिले में एक-एक माफिया खड़ा किया, प्रदेश को संगठित अपराध का गढ़ बना दिया और युवाओं के सामने पहचान का संकट पैदा कर दिया।

नोएडा हवाई अड्डे के पास बालिका आवासीय विद्यालय विमानन के उत्कृष्टता केंद्र के रूप में होगा विकसित

नोएडा/भाषा। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट जेवर में निर्माणाधीन 480 सीटों वाले सर्वोदय आवासीय बालिका विद्यालय में अप्रैल 2027 से शुरू होने वाले अगले शैक्षणिक सत्र से पढ़ाई शुरू होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने हवाई अड्डे की निकटता को देखते हुए इस विद्यालय को विमानन क्षेत्र के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है, ताकि छात्राओं को विमानन क्षेत्र में करियर के लिए तैयार किया जा सके। राज्य के समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा, हमारा उद्देश्य केवल प्रदेश की बेटियों को गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि उन्हें विमानन जैसे उभरते क्षेत्रों में करियर के लिए तैयार करना भी है। सर्वोदय विद्यालय उनकी आकांक्षाओं को पंख देने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। अधिकारियों के अनुसार, 'दून स्कूल' इस विद्यालय को विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थान के रूप में विकसित करने के लिए शैक्षणिक मार्गदर्शन और संस्थागत सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि दून स्कूल के अनुभवी शिक्षक और विशेषज्ञ नियमित रूप से विद्यालय परिसर का दौरा करेंगे तथा शिक्षण पद्धति, विद्यालय प्रशासन और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के संबंध में मार्गदर्शन देंगे। बोर्डिंग स्कूल्स एसोसिएशन आफ इंडिया (बीएसएआई) की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सपना सुकुल ने कहा कि इस सहयोग का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना है।

सुविचार

जीवन में हार और जीत दोनों आवश्यक हैं। हार हमें सिखाती है, जीत हमें प्रेरित करती है। दोनों को स्वीकार करें, आगे बढ़ते रहें।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सबक लें, जवाबदेही तय करें

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के भारी हंगामे के बाद धर्मेंद्र प्रधान का केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा भारतीय राजनीति की एक ऐसी घटना है, जिससे सभी नेताओं और सरकारों को कुछ सबक लेने चाहिएं। उक्त संगठन के उदय को सीजेआई की एक कथित टिप्पणी और पेपर लीक से जोड़कर देखा जा रहा है, जबकि वास्तविकता इससे थोड़ी अलग है। अगर ये दोनों घटनाएं न होतीं, तो भी सीजेपी के निर्माण और हंगामे के लिए भरपूर मसाला मौजूद था। क्या देश में समस्याओं की कमी है? जंतर-मंतर पर जो कुछ हुआ, चाहे उसके पीछे विदेशी हाथ बताया जाए या उसे विपक्षी दलों की चाल करार दिया जाए, इतना याद रखें- जो विरोधी होते हैं, वे मौका ढूंढ़ते हैं और उसका फायदा उठाते हैं। दिल्ली में हाल का पूरा घटनाक्रम जवाबदेही की अहमियत पर जोर देता है। सरकारी अधिकारी हों या कर्मचारी, या कोई मंत्री, उनकी जवाबदेही तय करनी होगी। अगर कुछ गलत हुआ है तो जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई जरूर होनी चाहिए। जनता में यह धारणा मजबूत होती जा रही है कि 'पद, पहचान और पैसे वालों' का कुछ नहीं बिगड़ता है। इस धारणा को बदलना होगा। युवाओं से जुड़े मामलों को हल्के में न लें। पढ़ाई, परीक्षा और रोजगार बहुत संवेदनशील मुद्दे हैं। आज युवाओं में हताशा है। पढ़ाई पर लाखों रुपए खर्च करने के बाद जब भविष्य अंधकारमय नजर आता है तो सीजेपी जैसे संगठनों को उभरने का मौका मिलता है। यह सोचकर सोशल मीडिया की अनदेखी बिल्कुल न करें कि 'इससे कुछ नहीं होता।' यहां कोई बात जंगल की आग से भी जल्दी फैलती है। अब देश में करोड़ों लोगों के पास इंटरनेट सुविधा है। ज्यादातर लोग किसी-न-किसी सोशल मीडिया मंच से जुड़े हुए हैं। उनके पास सूचनाएं पहुंचती हैं। जब कोई ज्वलंत मुद्दा लोगों का ध्यान आकर्षित करता है तो वे एकजुट हो जाते हैं।

जनता से संवाद करते रहें। लोगों की समस्याओं का बेहतर ढंग से समाधान कैसे हो - इस पर दृढ़ता से काम होना चाहिए। लोगों को यह महसूस होना चाहिए कि सरकार हमारी समस्या सुन रही है, वह समाधान करने के लिए गंभीर है। समय पर समाधान होने से असंतोष पैदा नहीं होता है। इससे टकराव टलता है। राजनीतिक एवं प्रशासनिक तंत्र पर लोगों का विश्वास मजबूत होना चाहिए। वर्तमान में इन दोनों के बारे में लोगों की क्या राय है? यह जानने के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं है, सिर्फ सोशल मीडिया देख लें। पिछले पांच वर्षों में ऐसे वीडियो बहुत वायरल हुए हैं, जिनमें कोई पुलिसकर्मी रिश्वत लेता हुआ, आम आदमी से बदसलूकी करता हुआ, कोई सरकारी अधिकारी आम आदमी को परेशान करता हुआ, कोई बैंक कर्मचारी आम ग्राहक को बार-बार चक्कर लगवाता हुआ, कोई शिक्षक अनैतिक कर्म करता हुआ या छात्रों को बेरहमी से पीटता हुआ दिखाई दिया। ऐसे वीडियो लोगों को झकझोर देते हैं। वे सोचते हैं- अगर पीड़ित व्यक्ति की जगह हम या हमारा कोई प्रियजन होता तो क्या होता? जब किसी भ्रष्ट सरकारी अधिकारी और कर्मचारी के घर से नोटों का ढेर निकलता है तो लोगों के मन में गहरा आक्रोश पैदा होता है। शातिर लोग इन घटनाओं को एक मौके की तरह देखते हैं। वे उसमें गुंजाइश तलाशते हैं और आक्रोश को हवा देते हैं। जनता को लगता है कि सरकार कोई सख्त फैसला नहीं लेगी और अदालत से फैसला आने में वर्षों लग जाएंगे। इसलिए वह 'शीघ्र न्याय' के लिए ऐसे लोगों का साथ देती है। याद करें, जब कोई खतरनाक बदमाश एनकाउंटर में मारा जाता है तो आम लोगों की कैसी प्रतिक्रिया होती है? वे खुश होते हैं, क्योंकि जानते हैं कि मामला कानूनी तरीके से आगे बढ़ता तो समय पर न्याय मिलना मुश्किल था। लोगों का इस तरह विश्वास कमजोर होना लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं है। इस विश्वास को समय रहते मजबूत करने के लिए ठोस उपाय करें।

ट्वीटर टॉक

कारगिल युद्ध में अपनी वीरता और बहादुरी दिखाते हुए, मातृभूमि की रक्षा में शहीद हुए अमर वीरों को विनम्र श्रद्धांजलि और दिल से श्रद्धांजलि।ङ्कङ्कभारतीय सेना का अदम्य साहस, देशभक्ति और सर्वोच्च बलिदान हमेशा प्रेरणा बना रहेगा।

-सचिन पायलट

26 जुलाई 1999 - भारतीय सेना की वीरता, बहादुरी और अदम्य साहस का एक सुनहरा अध्याय। इस कारगिल विजय दिवस पर, भारत माता के सम्मान, आन-बान और शान की रक्षा के लिए कारगिल की दुर्गम चोटियों पर अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर वीरों को हमेशा सलाम।

-ओम बिरला

ग्लासगो में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के 60 किग्रा वेटलिफ्टिंग इवेंट में सिल्वर मेडल जीतकर देश का नाम रोशन करने के लिए श्री ऋषिकांत सिंह जी को दिल से बधाई और शुभकामनाएं! आपकी यह ऐतिहासिक उपलब्धि देश के लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

हार को गुरु बनाना

एक दिन सेल्यूकस ने अपने दरबारियों से कहा, 'कल मैं तुम्हें अपना बसे कीमती खजाना दिखाऊंगा।' अगले दिन सभा खचाखच भरी हुई थी। सबको उम्मीद थी कि खजाने में हीरे, जवाहरात या सोना होगा। लेकिन जब संदूक खोला गया, तो उसमें केवल एक टूटी हुई तलवार रखी थी। दरबार में फुसफुसाहट शुरू हो गई। सेल्यूकस ने तलवार उठाई और कहा, 'यह वही तलवार है जो उस युद्ध में टूटी थी जहां मैं हार गया था।' एक दरबारी हंसते हुए बोला, 'महाराज, हार की निशानी भी कोई खजाना होती है?' सेल्यूकस मुस्कुराया और बोला, 'यह मेरी सबसे बड़ी संपत्ति है। जीत ने मुझे गर्व करना सिखाया था, लेकिन इस हार ने मुझे स्वयं को पहचानना सिखाया। यदि यह तलवार न टूटती, तो मेरा अहंकार कभी न टूटता। जीवन में असफलता शर्म की बात नहीं है। शर्म की बात है उससे कुछ न सीखना। कई बार टूटी हुई तलवार ही हमें अजेय बनाती है। याद रखो, जो व्यक्ति अपनी हार को छुपाता है, वह उससे कुछ नहीं सीखता। लेकिन जो उसे अपना गुरु बना लेता है, उसकी अगली जीत को कोई नहीं रोक सकता।'

सामयिक

किताबों के पन्नों पर विचारधारा की स्याही

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

भारत में शिक्षा को केवल विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और परीक्षाओं तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। शिक्षा किसी भी राष्ट्र की आत्मा होती है। वह आने वाली पीढ़ियों के विचार, विवेक, संवेदनशीलता और वैज्ञानिक दृष्टि का निर्माण करती है। जिस प्रकार नदी अपने किनारों को गढ़ते हुए आगे बढ़ती है, उसी प्रकार शिक्षा किसी समाज के वर्तमान और भविष्य दोनों को आकार देती है। इसलिए जब भी शिक्षा व्यवस्था में कोई बड़ा परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह समाज की चेतना तक पहुँचता है। यही कारण है कि भारत में शिक्षा मंत्रालय सदैव राजनीतिक, सामाजिक और वैचारिक बहस का केंद्र रहा है। वर्ष 2014 के बाद केंद्र में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार बनने के साथ शिक्षा के क्षेत्र में अनेक परिवर्तन दिखाई दिए। नई शिक्षा नीति, पाठ्यक्रमों में संशोधन, एनसीईआरटी की पुस्तकों में बदलाव और भारतीय ज्ञान परंपरा पर बढ़ता ज़ोर, इन सबने शिक्षा को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला खड़ा किया। सरकार का पक्ष यह रहा कि शिक्षा को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त कर भारतीय संस्कृति, सभ्यता और ज्ञान परंपरा के अनुरूप बनाया जाना चाहिए। वहीं आलोचकों का कहना है कि इन परिवर्तनों के माध्यम से शिक्षा को एक विशेष वैचारिक दृष्टिकोण के अनुरूप ढालने की कोशिश की जा रही है। यही विवाद आज भी देश में चर्चा का विषय बना हुआ है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ लंबे समय से शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का सबसे प्रभावशाली माध्यम मानता रहा है। संघ से जुड़े अनेक संगठन विद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों का संचालन करते हैं तथा भारतीय संस्कृति और राष्ट्रवाद पर आधारित शिक्षा का समर्थन करते हैं। संघ का मानना है कि भारत की शिक्षा व्यवस्था को अपनी जड़ों से जोड़ना आवश्यक है। दूसरी ओर अनेक शिक्षाविद, इतिहासकार और सामाजिक चिंतक यह आशंका व्यक्त करते रहे हैं कि यदि शिक्षा किसी एक वैचारिक धारा के प्रभाव में अत्यधिक चली जाए, तो स्वतंत्र चिंतन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और बहुलतावादी परंपरा प्रभावित हो सकती है। लोकतंत्र में शिक्षा का उद्देश्य प्रश्न पूछने की क्षमता विकसित करना है, केवल एक विचार को स्वीकार करना नहीं।

अब शिक्षा मंत्रियों की नियुक्तियों पर भी समय-समय पर बहस होती रही है। आलोचकों का आरोप है कि शिक्षा मंत्रालय में ऐसे व्यक्तियों को प्राथमिकता दी जाती है जिनकी वैचारिक निकटता संघ परिवार से रही है। समर्थक इसे स्वाभाविक राजनीतिक प्रक्रिया बताते हैं और कहते हैं कि प्रत्येक निर्वाचित सरकार अपने दृष्टिकोण के अनुरूप टीम का चयन करती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह अधिकार सरकार के पास होता है, लेकिन साथ ही यह अपेक्षा भी रहती है कि शिक्षा जैसी संवेदनशील व्यवस्था किसी एक राजनीतिक विचार से ऊपर उठकर राष्ट्रहित और ज्ञान की सार्वभौमिक भावना का प्रतिनिधित्व करे।

एनसीईआरटी की पुस्तकों में किए गए संशोधनों को लेकर भी व्यापक बहस हुई है। कुछ अध्यायों को हटाने, कुछ को संक्षिप्त करने और कुछ नए विषय जोड़ने के निर्णयों पर अलग-अलग मत सामने आए। सरकार ने इन परिवर्तनों को पाठ्यक्रम को हल्का बनाने, दोहराव कम करने और भारतीय दृष्टिकोण को अधिक स्थान देने का प्रयास बताया। वहीं आलोचकों का कहना है कि इतिहास के कुछ विवादास्पद प्रसंगों, सामाजिक संघर्षों और राजनीतिक घटनाओं का उल्लेख कम करने से विद्यार्थियों को इतिहास की पूर्ण तस्वीर नहीं मिल पाएगी। इतिहास केवल गौरवगान नहीं होता, वह आत्ममंथन का दर्पण भी होता है। यदि दर्पण का कोई हिस्सा ढक दिया जाए, तो चेहरा पूरा दिखाई नहीं देता।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता है। यहाँ अनेक भाषाएँ हैं, अनेक संस्कृतियाँ हैं, अनेक विचारधाराएँ हैं। इसी विविधता ने भारत को सदियों तक जीवंत बनाए रखा है। शिक्षा का कार्य इस विविधता को समझाना, उसका सम्मान करना और विद्यार्थियों में संवाद की संस्कृति विकसित करना है। यदि शिक्षा किसी एक विचारधारा की सीमाओं में सिमटने लगे, तो विचारों का आकाश छोटा होने लगता है। ज्ञान का दीपक तभी सबसे अधिक प्रकाश देता है जब उसकी लौ पर किसी एक रंग का आवरण न चढ़ाया जाए।

यह भी सच है कि किसी भी सरकार को शिक्षा सुधारने का अधिकार और दायित्व दोनों प्राप्त हैं। नई नीतियाँ बनेंगी, पाठ्यक्रम बदलेंगे, शोध के नए क्षेत्र खुलेंगे और पुरानी कमियों को दूर करने का प्रयास होगा। लेकिन इन सभी परिवर्तनों की सबसे बड़ी कसौटी यह होनी चाहिए कि क्या वे विद्यार्थियों की जिज्ञासा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत बना रहे हैं या नहीं। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी देना नहीं, बल्कि जागरूक नागरिक तैयार करना है। वह नागरिक जो संविधान की भावना को समझे, असहमति का सम्मान करे और सत्य की खोज करने का साहस रखे।

आज भारत विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में है। करोड़ों विद्यार्थियों का भविष्य हमारी शिक्षा व्यवस्था पर निर्भर करता है। ऐसे समय में शिक्षा को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मैदान बनाने के बजाय राष्ट्रीय सहमति का विषय बनाया जाना चाहिए। पाठ्यपुस्तकों का निर्माण इतिहासकारों, वैज्ञानिकों, शिक्षाशास्त्रियों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की व्यापक भागीदारी से होना चाहिए। किसी भी लोकतंत्र में शिक्षा की विश्वसनीयता तभी बनी रहती है जब उसे सत्ता परिवर्तन के साथ बार-बार वैचारिक संघर्ष का अखाड़ा न बनाया जाए। कहा जाता है कि बच्चे को जो कहानी पहली बार सुनाई जाती है, वही उसके मन में सबसे गहरी छाप छोड़ती है। इसलिए पाठ्यपुस्तकों में लिखे गए शब्द केवल स्याही से नहीं लिखे जाते, वे आने वाले समाज के चरित्र पर अंकित होते हैं। यदि उन शब्दों में जिज्ञासा होगी तो समाज प्रश्न पूछेगा, यदि उनमें करुणा होगी तो समाज संवेदनशील बनेगा, यदि उनमें वैज्ञानिक दृष्टि होगी तो समाज प्रगति करेगा और यदि उनमें केवल वैचारिक आग्रह होगा तो समाज संवाद से अधिक टकराव की ओर बढ़ सकता है।

शिक्षा किसी सरकार की संपत्ति नहीं होती और न ही किसी संगठन की निजी विरासत। वह पूरे समाज की साझी धरोहर है। लोकतंत्र की असली शक्ति इसी में है कि अलग-अलग विचार एक ही कक्षा में बैठकर एक-दूसरे को सुन सकें। विद्यालय वह स्थान होना चाहिए जहाँ बच्चे किसी विचारधारा के अनुयायी बनने से पहले स्वतंत्र विचारक बनना सीखें। राष्ट्रभक्ति और वैज्ञानिक दृष्टिकोण एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक स्वस्थ लोकतंत्र के दो आवश्यक स्तंभ हैं। अभी के दौर में यह बहस किसी एक मंत्री, किसी एक दल या किसी एक संगठन से कहीं बड़ी है।

यह उस भारत की बहस है जो अपनी आने वाली पीढ़ियों को कैसा बनाना चाहता है। क्या वे प्रश्न पूछने वाले नागरिक होंगे या केवल उत्तर दोहराने वाले विद्यार्थी? क्या वे इतिहास को अनेक दृष्टियों से पढ़ेंगे या केवल एक दृष्टि से? क्या वे विविधता को शक्ति मानेंगे या उसे चुनौती समझेंगे? इन प्रश्नों का उत्तर केवल संसद में नहीं, बल्कि हर विद्यालय, हर पुस्तकालय और हर कक्षा में लिखा जाएगा।

शिक्षा का भविष्य जितना पाठ्यपुस्तकों में बसता है, उतना ही समाज की सामूहिक चेतना में भी। इसलिए शिक्षा को विचारों का कारागार नहीं, बल्कि स्वतंत्रता का खुला आकाश बने रहने देना ही किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

नजरिया

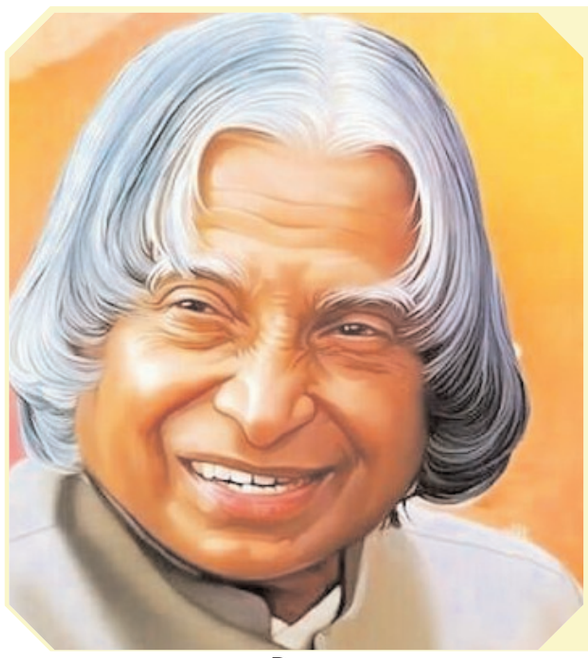

डा. कलाम कहा करते थे कि दुनिया हमें तभी याद रखेगी, जब हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और विकसित भारत देंगे, जो आर्थिक सम्पन्नता और सांस्कृतिक विरासत से मिला हो। उनका कहना था कि जो लोग अपने दिल से कार्य नहीं करते, वे जिंदगी में भले ही कुछ भी हासिल कर लें लेकिन वह खोखला होता है, जो उनके दिल में कड़वाहट भरता है। कलाम साहब के अनुसार जिंदगी कठिन है और आप तभी जीत सकते हैं, जब आप मनुष्य होने के अपने जन्मसिद्ध अधिकार के प्रति सजग हों।

स्मृतियों में सदैव जीवित रहेंगे 'मिसाल मैन' डॉ. कलाम

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584.

'मिसाइल मैन' के नाम से विख्यात डा. एपीजे अब्दुल कलाम (अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम) भारतीय इतिहास में एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति रहे हैं, जो वैज्ञानिक थे। देश के महान वैज्ञानिक होने के साथ-साथ वह एक अद्भुत इंसान और एक प्रेरणादायक नेता भी थे। सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी जैसे विलक्षण गुणों की मिसाल डा. कलाम ने अपने इन्हीं गुणों की बदौलत समस्त देशवासियों को दिल जीत लिया था क्योंकि मौजूदा राजनीतिक परिवेश में ऐसे गुणों वाले व्यक्ति का मिलना दुर्लभ है। यही कारण है कि करोड़ों लोग आज भी उन्हें अपना प्रेरणास्रोत मानते हुए उनकी कही बातों का अनुसरण करते हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यही थी कि उन्होंने जिस भी व्यक्ति के साथ काम किया, उसी के दिल को जीत लिया। देश की युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए वह कहते थे कि भारत के युवा वर्ग में हिम्मत होनी चाहिए कि वह कुछ अलग सोच सके, हिम्मत हो कि वह कुछ खोज सके, ऐसे नए रास्तों पर चलने की हिम्मत हो, जो असंभव हो, उसे खोज सके और मुसीबतों को जीतकर सफलता हासिल कर सके। वह कहते थे कि आसमान की ओर देखें, हम अकेले नहीं हैं, पूरा ब्रह्माण्ड हमारा मित्र है और जो सपना देखते हुए मेहनत कर रहे हैं, उन्हें बेहतरीन फल देने का प्रयास कर रहा है। सपना सच हो, इसके लिए जरूरी है कि आप सपना देखें। 15 अक्तूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में जन्मे अब्दुल कलाम गरीबी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर वैज्ञानिक बने थे, जिनके नेतृत्व में भारत कई उपग्रह तथा स्वदेशी मिसाइलें बनाने में सफल हुआ और परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र भी बना। उन्होंने डीआरडीओ तथा इसरो की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर उन्हें सफल बनाया। अपने जीवनकाल में उन्होंने विंग्स ऑफ फायर', इग्नाइटेड माइंड', इंडिया 2020 : ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' इत्यादि 30 से भी ज्यादा पुस्तकें लिखी। 1999 से 2001 के बीच वे भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार रहे तथा 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति रहे। राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे तो उनके साथ सामान के रूप में केवल दो सूटकेस थे, जिनमें से एक में उनके कपड़े तथा दूसरे में उनकी प्रिय पुस्तकें थी। आज जहां नेतागण छुट्टियों पर घूमने जाने के लिए बेताब रहते हैं और संसद की कार्यवाहियों से भी गैरहाजिर रहते हैं, वहीं डा. कलाम ने राष्ट्रपति रहते अपने पूरे राजनीतिक जीवन में केवल दो छुट्टियां ली थी, एक अपने पिता के देहांत पर और दूसरी अपनी मां की मृत्यु के अवसर पर। देश के सर्वोच्च पद पर रहते हुए कलाम साहब ने अपने कार्यकाल में सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी की जो मिसाल पेश की, वह आज और कहीं देखने को नहीं मिलती। ऐसा ही एक वाकया स्मरण आता है, जब एक बार उनका पूरा परिवार (कुल 52 सदस्य) उनसे मिलने दिल्ली आया। स्टेशन से सभी को राष्ट्रपति भवन लाया गया, जहां सभी आठ दिनों तक ठहरे। उन पर खर्च हुई एक-एक पाई कलाम साहब ने अपनी जेब से खर्च की। बताया जाता है कि उन्होंने अपने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि उनके इन अतिथियों के लिए राष्ट्रपति भवन की कारें इस्तेमाल नहीं की जाएंगी और उनके खाने-पीने के सारे खर्च का विवरण भी अलग से रखा गया। आठ दिन बाद सभी के दिल्ली से वापस चले जाने पर कलाम साहब ने अपने निजी बैंक खाते से 3.52 लाख रुपये का चेक काटकर राष्ट्रपति कार्यालय को भेज दिया। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उन्होंने कभी किसी का कोई उपहार अपने पास नहीं रखा। दरअसल उनका कहना था कि उनके पिता ने उन्हें यही शिक्षा दी है कि कभी किसी का कोई उपहार स्वीकार मत करो। किसी ने एक बार उन्हें दो पैन उपहारस्वरूप दिए थे लेकिन वे भी उन्होंने राष्ट्रपति पद से विदाई के समय लौटा दिए थे।

भारत के बच्चों के भविष्य को लेकर वे चिंतित स्वर में कहते थे कि देश में प्रतिवर्ष दो करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं, उन सभी बच्चों का क्या भविष्य होगा और जीवन में उनका क्या लक्ष्य होगा? क्या हमें उनके भविष्य के लिए कुछ कदम उठाने चाहिएं या हमें उन्हें उनके नसीब के सहारे छोड़ अभिजात्य वर्ग के फायदे के लिए ही काम करना चाहिए? डा. कलाम का मानना था कि यदि भारत को भ्रष्टाचार मुक्त और सुंदर मस्तिष्क वालों का देश बनाना है तो इसमें समाज के तीन लोग सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, पिता, माता और गुरु। भारत के भविष्य को लेकर उनके पास एक विजन था, जिस पर 'इंडिया 2020: ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' नामक पुस्तक प्रकाशित हुई थी। दरअसल 'टेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन, फोरकास्टिंग एंड एससमेंट काउंसिल' नामक एक सरकारी संगठन देश की प्रगति से जुड़ा विजन डॉक्यूमेंट तैयार करता है और 1996 में कलाम साहब इसके अध्यक्ष थे। उन्हीं की अध्यक्षता में 1996-97 में 'विजन 2020' डॉक्यूमेंट तैयार किया गया। उस रिपोर्ट में सरकार को कुछ सुझाव देते हुए बताया गया था कि 2020 तक भारत को क्या कुछ हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए। रिपोर्ट के आधार पर कलाम साहब ने सरकार को सलाह दी थी कि देश के विकास के लिए तकनीक, विज्ञान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्र में सरकार को क्या करना चाहिए और आम नागरिक को इसमें क्या भूमिका निभानी चाहिए। उनका मानना था कि भारत 2020 तक युवाओं के योगदान की बदौलत एक विकसित देश बन जाएगा लेकिन वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर उनके इस विजन को पूरा होने में अभी बहुत लंबा समय लग सकता है।

डा. कलाम कहा करते थे कि दुनिया हमें तभी याद रखेगी, जब हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और विकसित भारत देंगे, जो आर्थिक सम्पन्नता और सांस्कृतिक विरासत से मिला हो। उनका कहना था कि जो लोग अपने दिल से कार्य नहीं करते, वे जिंदगी में भले ही कुछ भी हासिल कर लें लेकिन वह खोखला होता है, जो उनके दिल में कड़वाहट भरता है।

कलाम साहब के अनुसार जिंदगी कठिन है और आप तभी जीत सकते हैं, जब आप मनुष्य होने के अपने जन्मसिद्ध अधिकार के प्रति सजग हों। किसी व्यक्ति के जीवन में कठिनाई नहीं होगी तो उसे सफलता की खुशी का अहसास ही नहीं होगा। यह महान विभूति 27 जुलाई 2015 को भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलांग में एक कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सम्बोधित करते हुए अचानक दिल का दौरा पड़ने पर सदा के लिए चिरनिद्रा में लीन हो गई।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बर्लिन की 'प्राइड परेड' में वैन ने लोगों को कुचला, एक की मौत, 16 घायल; संदिग्ध की पहचान हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बर्लिन/एपी। जर्मनी की राजधानी बर्लिन में शनिवार रात 'एलजीबीटीक्यू प्लस' समुदाय के एक प्रमुख कार्यक्रम 'प्राइड परेड' के दौरान भीड़ में घुसी एक वैन ने लोगों को कुचल दिया, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 16 अन्य लोग घायल हो गए। जर्मन अधिकारियों ने इस घटना में शामिल एक फरार संदिग्ध के लिए रविवार को वांछित नोटिस जारी किया। घटना के बाद पुलिस ने समारोह और संगीत कार्यक्रम रद्द कर दिए। यह हादसा कार्यक्रम शुरू होने के कुछ घंटों बाद हुआ।

पुलिस और अभियोजकों ने 21 वर्षीय संदिग्ध की तलाश में मदद मांगी है, जिसकी पहचान अब्दुल बी. के रूप में की गई है। पुलिस प्रवक्ता फ्लोरियन नाथ ने कहा, ''पुलिस को संदिग्ध का पता चल गया है। वह यहां बर्लिन में इस्लामी चरमपंथी समूहों से जुड़ा रहा है और उसकी तलाश तेज कर दी गयी है।'' इससे पहले पुलिस ने कहा था कि कुछ घायलों की हालत गंभीर है। पुलिस ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर लोगों से घटनास्थल तुरंत खाली करने की अपील की, ताकि एंबुलेंस और दमकल कर्मी राहत एवं बचाव कार्य कर सकें। फ्लोरियन नाथ ने 'एक्स' पर एक संक्षिप्त वीडियो में कहा, ''हम संभावित संदिग्धों की गहन तलाश कर रहे हैं।'' पुलिस के अनुसार, रात करीब 10 बजे एक सफेद रंग की वैन टियरगार्टन पार्क में घुस गई। यह पार्क उस मार्ग के पास है, जहां से कुछ समय पहले 'प्राइड मार्च' गुजरा था। वैन ने कई लोगों को टक्कर मारी और बाद में एक पेड़ से जा टकराई।

पुलिस ने यह नहीं बताया कि मौके पर कितने पुलिसकर्मी तैनात किए गए, लेकिन उसने बताया कि बड़ी संख्या में ''पुलिस बल'' वहां मौजूद है। पुलिस के अनुसार, शनिवार सुबह से ही बर्लिन में 'प्राइड परेड' और 'एलजीबीटीक्यू प्लस' समुदाय के अन्य कार्यक्रमों की सुरक्षा के लिए 2,200 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। पुलिस ने पार्क में मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की। साथ ही उन दावों की भी जांच की जा रही है कि वाहन की टक्कर के अलावा कुछ पीड़ितों के शरीर पर चाकू से वार के निशान भी मिले हैं। हालांकि पुलिस ने कहा कि इस बारे में अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

'नौल' तूफान की दस्तक के बाद चीन में बारिश और बाढ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग/भाषा। चीन के गुआंगदोंग प्रांत में रविवार को नौल' तूफान की दस्तक के बीच भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ की वजह से 10 लोगों की मौत हो गई। इस साल चीन से टकराने वाला 12वां और अब तक का सबसे शक्तिशाली तूफान 'नौल' बीती रात 3:50 बजे गुआंगदोंग के हुइझोउ शहर के तट से टकराया। इसके कारण इलाके के बड़े हिस्से में तेज हवाएं चलीं और भारी बारिश हुई। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के अनुसार, गांसू के एक पर्यटन क्षेत्र में भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ आने से 10 लोगों की मौत हो गई। 'नौल' तूफान के गुआंगदोंग पहुंचने के बाद रविवार को पूरे प्रांत में हाई-स्पीड रेल सेवाएं निलंबित की गईं जबकि कई उड़ानें रद्द कर दी गईं। दक्षिणी चीन के बड़े हिस्से में भारी बारिश हुई।

राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने शनिवार शाम इस साल पहली बार किसी तूफान के लिए रेड अलर्ट जारी किया था। रविवार को तूफान के कमजोर होने पर इसे पहले ऑरेंज' और फिर येलो' अलर्ट में बदल दिया गया। हांगकांग आधारित 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' के अनुसार, तूफान के दौरान हवा की रफ्तार 162 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच गई, जो करीब दो सप्ताह पहले पूर्वी और उत्तर-पूर्वी चीन से टकराए बावी तूफान से थोड़ी अधिक है। स्थिति का आकलन करने, स्थानीय प्रशासन की मदद से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और उनकी बुनियादी जरूरतें पूरी करने के लिए प्रभावित क्षेत्रों में एक विशेष टीम भेजी गई है। राष्ट्रीय विकास और सुधार आयोग ने गुआंगदोंग में आपदा के बाद राहत और पुनर्वास कार्यों के लिए 10 करोड़ युआन (लगभग 1.47 करोड़ अमेरिकी डॉलर) की सहायता भी मंजूर की है।

पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान से जुड़े बीकेआई के आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने रविवार को कहा कि उसने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के समर्थन से संचालित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर इसके एक प्रमुख सदस्य को जालंधर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा कि विदेश में बैठे आका मॉड्यूल का संचालन कर रहे हैं। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव के अनुसार इस कार्रवाई के 1.3 किलोग्राम विस्फोटक से भरा एक 'परिष्कृत विस्फोटक उपकरण' भी बरामद किया गया। यादव ने बताया कि आईईडी के साथ 'छर्रे और बॉल बेयरिंग' भी मिले हैं, जिससे संकेत मिला है कि सार्वजनिक शांति भंग करने के उद्देश्य से बड़ा हमला करने की तैयारी की जा रही थी। डीजीपी ने कहा कि समय रहते की गई इस कार्रवाई से एक बड़े आतंकी खतरे को टाल दिया गया। जालंधर की 'काउंटर इंटेलिजेंस' इकाई ने जालंधर ग्रामीण पुलिस के साथ संयुक्त अभियान के दौरान आईएसआई समर्थित बीकेआई आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है, जिसे विदेश में बैठे इसे आका संचालित कर रहे थे।

जश्न

तेलंगाना के हैदराबाद में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन वापस लेने पर पीपुल्स प्लाजा में जश्न मनाने के लिए इकट्ठा हुए हैदराबाद यूथ फोर्स के समर्थक।

'द केरल स्टोरी' की सफलता के बाद बदली अदा शर्मा की किस्मत, बोलीं- 'अब मिल रहे हैं अच्छे किरदार'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अदा शर्मा की फिल्म 'द केरल स्टोरी' ने रिलीज के बाद दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ने के साथ-साथ अभिनेत्री के नए रास्ते खोल दिए। अदा शर्मा का मानना है कि इस फिल्म से मिली सफलता ने उन्हें इंडस्ट्री में खुद को बेहतरीन कलाकार के रूप स्थापित करने का अवसर दिया है, जिससे उनके लिए अब नए रास्ते खुल गए हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ हुई खास बातचीत के दौरान बताया कि इस फिल्म के बाद उन्हें कई अलग-अलग और कठिन भूमिकाएं निभाने के मौके मिले। अदा ने कहा, मेरे साथ ऐसा हुआ कि जब आपकी फिल्म हिट होती है, तो ज्यादा लोग आप पर भरोसा करने लगते हैं और आपको बड़े काम देने के लिए तैयार होते हैं। अब मुझे ऐसे किरदार निभाने को मिल रहे हैं, जिसका सपना हर अभिनेता देखता है।बता दें कि अभिनेत्री अदा शर्मा ने सुपरहिट फिल्म 'द केरल स्टोरी' में शालिनी नाम की एक पूर्व नर्सिंग छात्रा की भूमिका अदा करके दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई थी। इसे सुदीप्तो सेन ने निर्देशित और विपुल अमृतलाल शाह ने निर्मित किया था। यह फिल्म जबरन धर्मांतरण और महिलाओं के आईएसआईएस में शामिल होने के दावों पर आधारित थी।

अभिनेत्री अदा शर्मा को बड़ी पहचान उनकी सुपरहिट फिल्म द केरला स्टोरी से मिली। फिल्म में उसके जीवन के सफर को दिखाया गया है कि कैसे एक मासूम लड़की आतंकवाद की शिकार बन जाती है।फिल्म की शुरुआत शालिनी उन्नीकृष्णन (अदा शर्मा) नाम की एक लड़की से होती है, जो

अफगानिस्तान-ईरान सीमा पर पकड़ी जाती है। पूछताछ के दौरान वह बताती है कि कैसे केरल में नर्सिंग की पढ़ाई के दौरान उसका ब्रेनवॉश किया गया। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत बड़ी कमर्शियल सक्सेस रही थी। हालांकि, फिल्म को रिलीज से पहले काफी विवादों का सामना करना पड़ा था। कई लोगों ने इसे प्रोपेगेंडा बताया, जबकि समर्थकों ने इसे एक कड़वा सच करार दिया। तीखे विवाद और विरोध के बावजूद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काफी सफल रही थी, जिसके बाद साल 2026 में केरल स्टोरी 2 भी रिलीज की गई थी।

नेपाल ने नोटबंदी के बाद भारतीय मुद्रा पर लगे अंकुश हटाए, 200, 500 के नोट को भी दी अनुमति

काठमांडू/भाषा। नेपाल ने भारतीय और नेपाली नागरिकों को नौ नवंबर, 2016 या उसके बाद जारी 200 और 500 रुपये के भारतीय नोट देश में लाने और बाहर ले जाने की अनुमति दे दी है, लेकिन इसकी अधिकतम सीमा 25,000 रुपये रखी गई। भारत द्वारा 2016 में नोटबंदी किए जाने के बाद सिर्फ 100 रुपये के नोट को ही लाने ले-जाने की अनुमति थी। नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) ने बृहस्पतिवार को जारी एक सूचना में कहा कि नौ नवंबर, 2016 से पहले जारी 500 रुपये और 1,000 रुपये के भारतीय नोट नेपाल में प्रतिबंधित रहेंगे। अधिसूचना के अनुसार, मौजूदा नियमों के तहत नेपाली और भारतीय नागरिक नौ नवंबर, 2016 के बाद जारी 200 और 500 रुपये के भारतीय नोट नेपाल ला सकते हैं या वहां से ले जा सकते हैं, लेकिन इसकी अधिकतम सीमा प्रति व्यक्ति 25,000 रुपये रहेगी। हालांकि, नेपाल राष्ट्र बैंक ने इन प्रावधानों को 11 फरवरी को नेपाल राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना जारी कर पहले ही लागू कर दिया था। इसके बावजूद केंद्रीय बैंक ने बृहस्पतिवार को नियमों को दोहराते हुए और उनके क्रियान्वयन को स्पष्ट करने के लिए नया नोटिस जारी किया।नए नियमों की व्याख्या करते हुए एनआरबी के प्रवक्ता गुरु प्रसाद पौडेल ने शनिवार को कहा कि नेपाली नागरिक भारत के अलावा किसी अन्य देश से नेपाल में भारतीय मुद्रा नहीं ला सकते। इसी प्रकार, वे भारत को छोड़कर किसी अन्य देश में नेपाल से भारतीय मुद्रा नहीं ले जा सकते। उन्होंने कहा कि नए प्रावधान से नेपाल आने वाले भारतीय पर्यटकों तथा भारत के साथ व्यापार करने वाले नेपाली नागरिकों को काफी सुविधा होगी। अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि नेपाली नागरिक और विदेशी पर्यटक बिना सीमा शुल्क घोषणा के 5,000 अमेरिकी डॉलर या अन्य विदेशी मुद्राओं में उसके बराबर राशि तक नेपाल ला सकते हैं। यदि यह राशि 5,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक होती है, तो आगमन के समय सीमा शुल्क अधिकारियों के समक्ष उसकी घोषणा करना अनिवार्य होगा।

भारत ने आठ नवंबर, 2016 को 500 और 1,000 रुपये के नोट को बंद कर दिया था। इसके बाद 500 रुपये और 2,000 रुपये के नए नोट जारी किए गए थे। बाद में 2,000 रुपये के नोट भी वापस ले लिए गए। नोटबंदी के बाद नेपाल ने पुरानी भारतीय मुद्रा के उपयोग और लेनदेन पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए थे।

राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय भारोत्तोलक ऋषिकांत सिंह को रजत पदक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्लास्गो/भाषा। क्लीन एवं जर्क में अंतिम दो प्रयास में चूकने के बाद भारत के ऋषिकांत सिंह चानमबम को रविवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों की 60 किग्रा भारोत्तोलन स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा। मणिपुर के ऋषिकांत ने कुल 264 किग्रा (121 और 143 किग्रा) वजन उठाया। उन्होंने स्नैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए 121 किग्रा वजन उठाकर राष्ट्रमंडल खेलों के रिकॉर्ड की बराबरी की। हालांकि क्लीन एवं जर्क में वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके जिसके कारण दूसरे स्थान पर रहे। ऋषिकांत ने स्नैच में 121 किग्रा वजन उठाकर खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया। हालांकि क्लीन एवं जर्क में वह केवल 143 किग्रा वजन ही उठा सके।

मलेशिया के बिन कसदान मोहम्मद अनीक ने कुल 273 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने स्नैच में 121 किग्रा वजन उठाने के बाद क्लीन एवं जर्क में खेलों का रिकॉर्ड 152 किग्रा वजन उठाया। कीनिया के जोशुआ

अमुंगा एमबोया ने कुल 260 किग्रा वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। उन्होंने स्नैच में 115 जबकि क्लीन एवं जर्क में 145 किग्रा वजन उठाया। स्नैच में ऋषिकांत ने सफलतापूर्वक 116 किग्रा वजन उठाकर शुरुआत की और फिर 119 किग्रा और आखिर में 121 किग्रा वजन उठाया। क्लीन एवं जर्क में ऋषिकांत ने पहले प्रयास में 143 किग्रा वजन सफलतापूर्वक उठाया लेकिन दूसरे प्रसास में 148 और तीसरे प्रयास में 151 किग्रा वजन उठाने में नाकाम रहे और स्वर्ण पदक जीतने से चूक गए। ऋषिकांत का यह पदक मौजूदा खेलों में सक्षम खिलाड़ियों के बीच भारत का पहला पदक है।

पंजाब के शिक्षा मंत्री कब देंगे इस्तीफा श्वेता तिवारी ने पूछे सवाल

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री श्वेता तिवारी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने शनिवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट करते हुए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके से सवाल पूछा कि पंजाब के शिक्षा मंत्री का इस्तीफा कब होगा? श्वेता तिवारी के वीडियो में दिपके कह रहे हैं कि अब जब धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया है, तो वे कैबिनेट में किसी भी ऐसे व्यक्ति का इस्तीफा मांग सकते हैं, जो अच्छा काम नहीं कर रहा है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, अब, पंजाब के शिक्षा मंत्री कब इस्तीफा दे रहे हैं? और आप लोग वहां कब विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं, कॉकरोच जनता पार्टी?राष्ट्रीय राजधानी के जंतर-मंतर पर कई दिनों तक चले छात्रों के बड़े विरोध-प्रदर्शनों और लोगों के लगातार आंदोलन के बाद शनिवार को धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया।

छात्र परीक्षा में गड़बड़ियों, खासकर नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर उनका इस्तीफा मांग रहे थे।उनका इस्तीफा 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की सख्त कार्रवाई के बाद आया है। पुलिस की इस कार्रवाई से पूरे देश में आक्रोश फैल गया और नाराज लोग बड़ी संख्या में जंतर-मंतर पर छात्रों का समर्थन करने के लिए उमड़ पड़े।विरोध प्रदर्शन दिल्ली से पहले मेट्रो शहरों और फिर छोटे कस्बों तक फैल गए। विरोध प्रदर्शन तब और तेज हो गए जब 18 जुलाई की सुबह दिल्ली पुलिस ने सोनम वांगचुक को

जंतर-मंतर पर विरोध स्थल से जबरदस्ती हटा दिया, जबकि वे 21 दिनों की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पूरी कर चुके थे। अधिकारियों ने उनकी बिगड़ती सेहत, मेडिकल सलाह और दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए अस्पताल में भर्ती कराया। सोनम वांगचुक प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर थे।

कुछ जगह सिर्फ घूमने की जगह नहीं होती, बल्कि वे इंसान को ईश्वर से जुड़ने और खुद को समझने का मौका देती हैं : निवेथा पेथुराज

लखनऊ/एजेन्सी

वाराणसी साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री निवेथा पेथुराज इन दिनों अपनी आध्यात्मिक यात्रा को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेत्री ने रविवार को वाराणसी स्थित काशी की अपनी यात्रा की कुछ झलकियां सोशल मीडिया पर साझा कीं और एक भावुक पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा कि कुछ जगह सिर्फ घूमने की जगह नहीं होती, बल्कि वे इंसान को ईश्वर से जुड़ने और खुद को समझने का मौका देती हैं। काशी के अनुभव को साझा करते हुए निवेता ने मां गंगा, भगवान शिव और काशी की आध्यात्मिक ऊर्जा को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। निवेथा पेथुराज ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर काशी यात्रा का एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, जब भी मैं मणिकर्णिका घाट पर बैठकर मां गंगा को बहते हुए देखती हैं, तो मैं वहां से जवाबों के बजाय और ज्यादा सवाल लेकर लौटती हूं। मां गंगा ने सदियों का इतिहास देखा है, लेकिन इसके बावजूद वह लगातार बहती रहती हैं। वह न किसी चीज से जुड़कर

रुकती हैं और न ही किसी परिस्थिति का विरोध करती हैं।

अभिनेत्री ने खुद से सवाल करते हुए आगे लिखा – क्या मां गंगा हमें भी यही सीख देने की कोशिश कर रही हैं। अपनी पोस्ट में निवेता ने काशी से जुड़े अपने धार्मिक अनुभवों को भी याद किया। उन्होंने कहा, मैं खुद को बेहद सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे काशी विश्वनाथ मंदिर में गंगाजल अर्पित करने का अवसर मिला। मैंने महाशिवरात्रि के मौके पर रुद्री पाठ पूजा में हिस्सा लिया और पवित्र निशिता काल पूजा के दौरान काल भैरव के दर्शन करने का भी अनुभव प्राप्त किया।अभिनेत्री ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए लिखा, कई बार मुझे ऐसा महसूस होता है कि भगवान भैरव खुद मुझे दोबारा काशी बुलाते हैं।

रामायण में रावण का किरदार निभाने पर यश ने की बात

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई फिल्म 'रामायण' को लेकर लोगों का उत्साह बढ़ता जा रहा है। इस बीच, फिल्म में काम करने के साथ-साथ अपने बैनर 'मॉनस्टर माइंड क्रिएशंस' के तहत इसे प्रोड्यूस कर रहे अभिनेता यश कॉमिक-कॉन इवेंट में अपनी टीम के साथ पहुंचे। मीडिया से बातचीत के दौरान, फिल्म में रावण का किरदार निभा रहे यश ने इस रोल की गहराइयों, रामायण के विचारों और आज के समय में भी इसकी सीख क्यों जरूरी है, इस पर खुलकर बात की।

रामायण पर अपने विचार रखते हुए यश ने कहा, किसी भी कहानी को बताने के लिए आपको अच्छाई और बुराई, सही और गलत दोनों की जरूरत होती है। उनके मुताबिक, रामायण भगवान राम और रावण के बिल्कुल अलग रास्तों और सफर की कहानी है। इस अंतर को समझाते हुए यश ने कहा, भगवान राम राजा के रूप में जन्मे थे, लेकिन उनके सामने ऐसी स्थितियां आईं जहां उन्हें सब कुछ खोना पड़ा। फिर अपने अच्छे व्यवहार और सही कामों के दम पर उन्होंने अपनी ताकत वापस हासिल की। दूसरी तरफ, रावण ने बिल्कुल शुरुआत से सफर शुरू किया और बहुत ताकतवर बना। लेकिन कभी-कभी जैसा कहा जाता है, जब आप किसी राक्षस से लड़ते हैं, तो आप खुद उससे भी बड़े राक्षस बन जाते हैं। इस बात को लेकर बहुत

सावधान रहने की जरूरत होती है। यश के मुताबिक, यही अंतर इस कहानी को हर दौर के लिए खास बनाता है। जहां भगवान राम ने अपने संस्कारों और सही कामों से सब कुछ वापस पाया, वहीं रावण का सफर यह याद दिलाता है कि कैसे ताकत जब बदले और अहंकार से भर जाती है, तो विनाश की ओर ले जाती है।

रावण के बारे में बात करते हुए यश ने कहा कि यह किरदार सिर्फ एक साधारण विलेन (खलनायक) से कहीं ज्यादा गहरा है। उन्होंने कहा, वह कई कलाओं का ज्ञानी था। यश ने आगे जोड़ा कि अपार ज्ञान और क्षमताओं के बावजूद रावण आखिरकार अपनी ताकत पर काबू नहीं रख पाया। यश के अनुसार, यही विरोधाभास उन्हें पौराणिक कथाओं का सबसे दिलचस्प किरदार बनाता है।

यश ने यह भी बताया कि रामायण से उनका रिश्ता बचपन से है। उन्होंने बताया, शायद यह पहली कहानी थी जो मैंने सुनी थी। मेरे दादाजी मुझे ये कहानियां सुनाया करते थे और आप अपने दिमाग में उनकी एक अलग दुनिया बना लेते हैं। रोल की तैयारियों पर बात करते हुए यश ने कहा कि उनका ध्यान रावण को नए सिरे से गढ़ने पर नहीं, बल्कि उसकी सोच को समझने पर था।

उन्होंने खुद से पूछा, एक एक्टर के तौर पर आप इसमें नया क्या ला रहे हैं? इस किरदार के बारे में आपकी अपनी क्या समझ है? निर्देशक नितेश तिवारी और लेखकों की सोच की तारीफ करते हुए यश ने कहा, मैं यह समझना चाहता था कि रावण ने जो कुछ भी किया, उसके पीछे उसकी क्या वजह थी। मेरे लिए उसके कामों के पीछे की मंशा को समझना बाकी किसी भी चीज़ से ज्यादा जरूरी था।

मानव सेवी कार्यों में हमेशा अग्रिम पंक्ति में रहता है जैन समाज : सांसद यदुवीर वाडेयार

नवनिर्मित भगवान महावीर जैन अस्पताल का हुआ उदघाटन

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में सरदार वल्लभ भाई पटेल नगर स्थित नव निर्मित भगवान महावीर जैन अस्पताल का विधिवत उदघाटन किया गया।अस्पताल निर्माण के लाभार्थी परिवार ने फीता काट कर अस्पताल का शुभारंभ किया। ट्रस्ट मंडल की ओर से लाभार्थी परिवारों के सेवाकार्यों की सराहना कर सम्मान किया गया। मुख्य अथिति के रूप में मैसूरु-कोडगु सांसद यदुवीर वाडेयार व अतिथि के रूप में विधायक जीटी देवेगौड़ा उपस्थित थे। सांसद यदुवीर वाडेयार ने कहा कि मानव सेवाकार्य करने में जैन समाज अग्रिम पंक्ति में रहता है।

भगवान महावीर स्वामी के 'जीयो और जीने दो' के नारा को सार्थक कर आगे बढ़ते हुए इस अस्पताल का उद्घाटन कर आमजन को लाभान्वित किया है। जैन समाज हमेशा जरूरतमंद या गरीब लोगों की शिक्षा, चिकित्सा और आजीविका में मदद करते आए हैं। सांसद ने अस्पताल में जरूरतमंदों की सुविधा के लिए मदद करने का आश्वासन दिया। विधायक जीटी देवेगौड़ा ने बताया कि इस अस्पताल के निर्माण से स्थानीय लोगों को सीधे तौर पर लाभ पहुंचेगा, इस अस्पताल में रियायती मूल्य पर विविध प्रकार की शारीरिक जांच होगी जो मरीज को आर्थिक सहयोग पहुंचने में कारगर साबित होगी। देवेगौड़ा ने मरीजों के उपयोग हेतु समुचित सुविधा युक्त एक एंबुलेंस देने की घोषणा की।

महावीर धर्मशाला में डॉ समकितमुनि का हुआ मंगलमय चातुर्मास प्रवेश

बेंगलूरु चातुर्मास समिति के पदाधिकारियों ने किया संतों का स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय बेंगलूरु चातुर्मास समिति-2026 के तत्वावधान में श्रमण संघीय डॉ. समकितमुनिजी, भवान्तमुनिजी एवं जयवंत मुनिजी का रविवार को चातुर्मास मंगल प्रवेश वीवी पुरम स्थित महावीर जैन धर्मशाला में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के वातावरण में संपन्न हुआ।

चातुर्मास के मौके पर महावीर धर्मशाला सभागार श्रद्धालुओं के विशाल जनसैलाब से भर उठी। हजारों श्रद्धालुओं ने गुरुदेव के मंगल प्रवेश का भावपूर्ण स्वागत किया और सम्पूर्ण वातावरण धर्ममय एवं भक्तिमय बन गया। चातुर्मास प्रवेश से पूर्व वीवी पुरम स्थित जैन कॉलेज में स्थानकवासी सेंट्रल संघ के तत्वावधान में संतों के सान्निध्य में सुखविपाक सूत्र की सजोड़े मंगल आराधना सम्पन्न हुई जिसका संचालन सेंट्रल संघ के महामंत्री महेंद्र मुणोत ने किया।

इसके पश्चात जैन कॉलेज से विशाल शोभायात्रा निकाली गई जिसमें महिलाएं सिर पर कलश धारण कर, हाथों में जैन प्रतीक लेकर तथा श्रावक गण पारम्परिक वेशभूषा में, तो युवा-युवती वर्ग अपने गणेश में शामिल हुआ।

हर्षोल्लास से हुई 'जीवन संजीवनी चातुर्मास' की शुरुआत

शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए भगवान महावीर के जयकारों के साथ महावीर जैन धर्मशाला पहुँची और प्रवेश पश्चात विशाल धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ सामूहिक नवकार महामंत्र के जाप से हुआ। इस जीवन संजीवनी चातुर्मास' की महिला समिति की अध्यक्ष रसीला मरलेचा, पुष्पा बोहरा, मंजू बाफना एवं अन्य सदस्याओं ने मंगलाचरण प्रस्तुत कर कार्यक्रम को आध्यात्मिक गरिमा प्रदान की। समिति के अध्यक्ष रमेश सिसोदिया ने संतों का स्वागत किया। मंत्री जम्बु दुग्गड़ ने चातुर्मास की रूप रेखा बताते हुए संतश्री के चातुर्मास को संघ का सौभाग्य बताया। उन्होंने चातुर्मास निवेदन से लेकर आज चातुर्मास प्रवेश तक की गतिविधियों की सिलसिलेवार प्रस्तुति दी।

चातुर्मास आत्मजागृति व आत्ममंथन का पावन अवसर है : डॉ. समकित मुनि

अपने मंगल प्रवचन में डॉ. समकित मुनि ने चातुर्मास मंगल प्रवेश की सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि चातुर्मास आत्मजागृति, आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का पावन अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को मन, वचन और काया से संयमित जीवन जीते हुए अपने संघ, समाज, परिवार एवं गुरु की आज्ञा को सर्वोपरि मानकर धर्म साधना का सरल, सादगीपूर्ण एवं अनुशासित आचरण करना चाहिए। संतश्री ने 'जीवन में स्टाप, लुक एंड गो अर्थात रुको, देखो और चलो' के सिद्धांत की व्याख्या करते हुए कहा कि हमें किसी भी कार्य करने से पहले रुककर चिंतन करना चाहिए कि मैं जो कार्य करने जा रहा हूँ, क्या उस कार्य के लिए धर्म, गुरु, समाज की आज्ञा है कि नहीं। हमें हर कार्य करने से पहले उसके परिणाम व कार्य के बारे में रुक कर गहन चिन्तन करना चाहिए, देखना चाहिए कि मेरे द्वारा किया गया कार्य धर्म, समाज व गुरु संगत है कि नहीं और यदि कार्य सही है तभी आगे बढ़ना चाहिए अन्यथा कार्य को छोड़ देने में ही सबकी भलाई है। संतश्री ने उपस्थित जनों से नशा मुक्त रहने का आह्वान करते हुए अपने पारिवारिक वैवाहिक कार्यक्रमों में नाचने-गाने वालों/वाली को नहीं बुलाने का संकल्प भी करवाया।

लाभार्थियों ने किया धार्मिक पुस्तक का विमोचन

कार्यक्रम में संतश्री द्वारा लिखित एक धार्मिक पुस्तक का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर चातुर्मास समिति के चेयरमैन रायचंद छाजेड़, प्रकाशचंद बेताला, अशोक कुमार रांका, समिति के अध्यक्ष रमेश सिसोदिया, महामंत्री जम्बूकुमार दुगड़, कोषाध्यक्ष गुलाबचंद पगारिया, युवा मंडल अध्यक्ष प्रदीप कांठेड़, मंत्री प्रदीप धोका, रूपेश सिसोदिया, कर्नाटक जैन कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष प्रकाशचंद बुरड़, कर्नाटक जैन कॉन्फ्रेंस के महामंत्री नेमीचंद दलाल सहित अनेक संघ संस्थाओं के पदाधिकारी, सदस्यों सहित बड़ी संख्या में बेंगलूरु, पूना, मुम्बई, चेन्नई, कोलकाता, रायचूर, हैदराबाद, केजीएफ, लुधियाना आदि शहरों से श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे। धर्म सभा में चेन्नई, रायचूर एवं पुणे (आकुर्डी) संघ द्वारा समकित मुनिजी के समक्ष आगामी चातुर्मास हेतु निवेदन किया तथा अपने विचार व्यक्त किए। लालचंद छिंगावत ने कार्यक्रम का संचालन किया।

जीतो नार्थ लेडीज़ विंग को राष्ट्रीय स्तर पर मिले छह सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) द्वारा समीक्षा-2026 का आयोजन हरिद्वार में किया गया जिसमें विभिन्न चैप्टरों के कार्यों की समीक्षा की गई तथा पुरस्कार दिए गए। इसी श्रृंखला में जीतो नार्थ चैप्टर लेडीज विंग ने अपने उत्कृष्ट कार्यों, नवाचार, प्रभावी परियोजनाओं, अनुकरणीय टीमवर्क एवं सेवा-समर्पित गतिविधियों के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर छह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त किए। नॉर्थ लेडीज़ विंग को जनसंपर्क एवं सोशल मीडिया के लिए उत्कृष्ट सम्मान, स्वयम् वर्टिकल के लिए उत्कृष्ट सम्मान, जे-पॉइंट एवं जेआईआईएफ वर्टिकल में द्वितीय उपविजेता सम्मान, सर्वश्रेष्ठ महानगर चैप्टर के लिए प्रशंसा सम्मान, सामुदायिक सहभागिता (डिजिनारी) के लिए उत्कृष्टता सम्मान तथा ब्राइडल स्टोरी के लिए प्रशंसा सम्मान से सम्मानित किया गया। जीतो के पदाधिकारियों ने महिला विंग को शुभकामनाएं दी नॉर्थ की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना एवं महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने इसे पूरी टीम के सामूहिक प्रयास, सेवा-भाव एवं संगठन के प्रति अटूट निष्ठा का परिणाम बताया।

गोड़वाड़ भवन में चल-मंदिर में विराजित हुए वरकाणा पार्श्वनाथ प्रभु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गोडवाड़ भवन के सुराणा हॉल में चातुर्मास के लिए निर्मित चल-मंदिर में श्री वरकाणा पार्श्वनाथ प्रभु की प्राचीन प्रतिमा को श्रद्धा, भक्ति और उत्साहपूर्ण वातावरण में विधि-विधान के साथ विराजित किया गया। चातुर्मासार्थ विराजित गच्छाधिपति आचार्य नित्यानंद सूरीश्वरजी एवं साधु-साध्वी वृंद की निश्रा में भीमराज करबावाला परिवार तथा गोडवाड़ वल्लभ चातुर्मास आयोजक समिति के सदस्यों ने 'जय-जय बोलो पार्श्वनाथ के जयघोष' के बीच प्रभु की प्रतिमा को गोडवाड़ भवन में प्रवेश करवाया। प्रतिष्ठा से पहले सुराणा हॉल में जिनेश गुरु के सान्निध्य में स्नात्र पूजा, कुंभ स्थापना, पाटला पूजन सहित विभिन्न धार्मिक विधियां श्रद्धापूर्वक संपन्न हुई।

इस अवसर पर आचार्यश्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि 108 पार्श्वनाथ तीर्थों में शामिल करेड़ा पार्श्वनाथ मंदिर से लाई गई, श्री वरकाणा पार्श्वनाथ प्रभु की अति प्राचीन प्रतिमा आज यहां विराजित हुई है। प्रभु की पावन छत्रछाया में पूरे चातुर्मास के दौरान तप, आराधना, स्वाध्याय एवं विविध धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे, जो श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक उन्नति का श्रेष्ठ अवसर है।

चल प्रतिष्ठा महोत्सव के उपरांत उपस्थित श्रद्धालुओं को कुंकुम तिलक लगाकर मंगलकामनाओं के साथ हर्षोल्लास व्यक्त किया गया। इस अवसर पर गोडवाड़ भवन ट्रस्ट के भवरलाल करबावाला, कुमारपाल सिसोदिया, विक्रम करबावाला, निशांत रांका, रमेश कुमार चांदावत, गौतम मेहता, अशोक करबावाला, राजेश राठौड़, चातुर्मास आयोजक समिति, गोडवाड़ महासभा के पदाधिकारी एवं सदस्य सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

विफा के चेन्नई चैप्टर के पदाधिकारियों का चयन एवं कार्यकारिणी का गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विप्र फाउंडेशन चेन्नई चैप्टर और ज़ोन की बैठक सूर्या भवन में आयोजित की गई। चैप्टर के अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, क्षेत्रीय महा मंत्री भगवान व्यास, जोन अध्यक्ष किशोर कुमार, आब्जर्वर पूर्व जोन अध्यक्ष मदन रंगा और सभा में उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि विप्र फाउंडेशन चेन्नई चैप्टर ने परसुराम आमंत्रण यात्रा और ब्लड डोनेशन कैंप, परसुराम जयंती जैसे कार्यक्रम किए। उन्होंने उन सभी के प्रति आभार जताया जिन्होंने कार्यक्रमों में सहयोग दिया। जोन अध्यक्ष किशोर शर्मा ने संगठन का महत्व बताते हुए कहा कि हम सब को मिलकर जोन को मजबूत बनाना है, भविष्य में हमे कुंभकोणम, वेल्लोर , चिदंबरम आदि शहरों में चैप्टर खोलना है और अन्य जगह जहां जहां हमारे विप्र बंधु रहते हैं उन सबको भी संगठन से जोड़ना है। क्षेत्रीय महामंत्री (दक्षिण) ने भगवान व्यास ने विप्र फाउंडेशन की स्थापना से लेकर अभी तक के किए गए कार्यों एवं नीतियों की विस्तृत जानकारी सदस्यों को दी। उन्होंने विप्र फाउंडेशन की सदस्यता के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि चेन्नई में 500 से अधिक सदस्य बनाएं।उन्होंने आगामी 15 अगस्त तक 100 सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया।

बैठक में सर्वसम्मिति से चेन्नई चैप्टर की नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया जिसमें अध्यक्ष चेनराज सेवक, सचिव अरविंद राजपुरोहित, कोषाध्यक्ष राजेंद्र उपाध्याय, उपाध्यक्षद्वय विनोद व्यास एवं निर्मल गौड़, सहमंत्री नारायण दायमा, गिरीश शर्मा, युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष योगेश पुष्करणा, मंत्री तरुण शर्मा को सर्वसम्मति से चुना गया। मनोनीत मंत्री मंडल के सदस्यों का सम्मान भगवान व्यास एवं जोन के किशोर शर्मा, पूर्व अध्यक्ष मदन रंगा ने किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विप्र बंधु उपस्थित हुए। सभी सदस्यों को तिरुपति बालाजी का लड्डु प्रसाद वितरण किया गया। चेनराज सेवेक के धन्यवाद प्रस्ताव के उपरांत बैठक सम्पन्न हुई।

'चातुर्मास आत्मशुद्धि व संयम का समय है'

गणेशबाग में अभिजीतमुनि व रविमुनि ने किया चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेताम्बर स्थानकवासी बावीस संप्रदाय जैन संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार को गणेशबाग में संतश्री अभिजीत मुनिजी एवं रवि मुनिजी का मंगल प्रवेश सौहार्दपूर्ण वातावरण में शोभायात्रा के जयकारों की धुन के साथ प्रातः 9:30 बजे हुआ। शोभायात्रा गणेश बाग पहुंच धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। शोभायात्रा में हीराबाग संघ, अलसूर संघ, स्थानकवासी महासंघ, विजयनगर संघ, प्रांतीय जैन कॉन्फ्रेंस शांतिनगर संघ, कम्मनहल्ली संघ के पदाधिकारी व सदस्य शामिल हुए। गणेशबाग का संपूर्ण संघ, नवयुवक-नवयुवती मंडल, आराध्य मंडल, बहुमंडल के सदस्यों ने शोभा बढ़ाई।

इस अवसर पर मुनिवर अभिजीतजी ने उपस्थित सभी जनों को चातुर्मास में धर्मध्यान, सामायिक, प्रतिक्रमण, स्वाध्याय, तप, जप जिनवाणी श्रवण का आह्वान किया। चातुर्मास आत्मशुद्धि व संयम का समय है। चातुर्मास काल संत व संघ की श्रद्धा, सेवा और समर्पण का प्रतिफल है।

यह जैन परंपरा का आध्यात्मिक अत्यंत पावन काल है। जैसे जल का प्रवाह पवित्र रखता है वैसे ही साधना की निरंतरता आत्मा को विकारों से मुक्त रखकर मोक्ष तक पहुँचाती है। धर्मसभा का संचालन मंत्री सुरेंद्र रूणवाल ने किया।अध्यक्ष पारसमणि रूणवाल ने चातुर्मास की विशेषताएँ बताते हुए संतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। संघ के शांतिलाल खाबिया, मुन्नालाल डुंगरवाल, पंकज कटारिया, विनोद पोरवाल ने अपने विचार व्यक्त किए। नवयुवती मंडल ने मंगलाचरण, स्वागत गीत गाया। आराध्य बहुमंडल व नवयुवक मंडल ने व्यवस्था संभाली।

कोलकाता में नीट प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के पीछे इस्लामी कट्टरपंथियों का हाथ : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को आरोप लगाया कि नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में दो दिन पहले कोलकाता में हुए प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा को इस्लामी कट्टरपंथियों ने अंजाम दिया और इसके पीछे विदेशी ताकतों का भी समर्थन हो सकता है। शुक्रवार को हुए इस प्रदर्शन के दौरान वामपंथी समर्थित प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प हो गई थी। इसके बाद सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। राज्य सरकार ने शुक्रवार के नीट प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़काने के आरोपियों के खिलाफ हाल ही में लागू किए गए गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू की है। अधिकारी ने चेतावनी दी कि उन्हें ऐसी सजा मिलेगी जिसे उनकी अगली तीन पीढ़ियां भी याद रखेंगी। शुभेंदु अधिकारी ने विधानसभा में कहा था कि रैली में शामिल जिन करीब 70 लोगों की पहचान की गई है, वे छात्र नहीं हैं और कथित नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में चल रहे आंदोलन से उनका कोई संबंध नहीं है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री के दिल्ली दौरे के बीच मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर अटकलें तेज

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के सोमवार को होने वाले दिल्ली दौरे के मद्देनजर एक बार फिर ये अटकलें तेज हो गई हैं कि वह काफी समय से लंबित मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर कांग्रेस आलाकमान से मुलाकात कर सकते हैं। शिवकुमार ने रविवार को कहा कि उन्होंने दिल्ली में कर्नाटक के केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों की बैठक बुलाई है, जिसमें राज्य में सूखे की स्थिति और अन्य मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। हालांकि, इस दौरे के दौरान कांग्रेस आलाकमान से मुलाकात को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है लेकिन पार्टी सूत्रों का कहना है कि उनके शीर्ष नेताओं से मिलने की संभावना है। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष बी. के. हरिप्रसाद भी पार्टी नेतृत्व के साथ होने वाली बैठक में शामिल हो सकते हैं। शिवकुमार और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने संकेत दिया है कि मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द हो सकता है। मंत्री बनने के इच्छुक नेताओं ने मंत्रिमंडल में शामिल होने के लिए अपनी कोशिशें तेज कर दी हैं। कुछ नेता दिल्ली रवाना हो गए हैं, जबकि कुछ ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के दिल्ली रवाना होने से पहले उनके आवास पर उनसे मुलाकात की।

हनुमंतनगर महिला मंडल का रजत महोत्सव आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमन्तनगर के तत्वावधान में महिला मंडल द्वारा रजत महोत्सव का आयोजन शनिवार को चोरड़िया जैन भवन में किया गया जिसमें महिला ग्रुप ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। अध्यक्ष मंजू बालिया ने सभी का स्वागत किया। प्रभा गोलेछा ने मंडल की 25 वर्षों की यात्रा, प्रमिला जैन ने चातुर्मासिक गतिविधियों, बालिका मंडल व युवती मंडल ने भी अपनी अपनी प्रस्तुति दी।

इस मौके पर अनेक मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया। मंडल की वरिष्ठ सदस्य इंचरज बाई, पूर्व अध्यक्ष प्रेमलता जैन, शांतिबाई सिंघवी, सुंदरबाई मुथा आदि उपस्थित थीं। प्रत्युषा नाहर, निशा लूणावत व तन्वी जैन से विभिन्न सत्रों का संचालन किया। मानव सेवा के कार्यों को बढ़ावा देने व स्कूल में कन्याओं के लिए शौचालय बनाने के लिए महिला मंडल ने एक बड़ी राशि की घोषणा की। मंत्री संगीता धोका ने संघ के पदाधिकारियों, सहयोगियों व दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**